लखनऊ

मंगलवार, 26 मई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 270

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

हर छोटा बदलाव बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है जो रातों को कोशिशों में गंवा देते हैं, वहीं सपनों की चिंगारी को और हवा देते हैं

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 29° Low

संक्षेप

ट्विशा शर्मा केस : सुप्रीम कोर्ट ने कहा- घटना दुर्भाग्यपूर्ण, निष्पक्ष जांच जरूरी

नई दिल्ली। ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई की। इस दौरान मध्य प्रदेश सरकार ने मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्ढ) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को जानकारी दी कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (ष्टक्चढ्ढ) को सौंप दी जाएगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया और मामले से जुड़े दोनों पक्षों से अपील की कि वे मीडिया में किसी प्रकार के बयान देने से बचें। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर अलग-अलग तरह के नैरेटिव बनाए जा रहे हैं, जिससे निष्पक्ष जांच प्रभावित हो सकती है। ष्टछ्ढ सूर्यकांत ने कहा, पीड़ित परिवार या दूसरे परिवार के बयानों पर न जाएं। वरना, एक तबका यह कह रहा है कि न्यायपालिका निष्पक्ष सुनवाई की अनुमति नहीं दे रही है। हमें अपनी राज्य एजेंसियों या ष्टक्चढ्ढ पर कोई संदेह नहीं है। ऐसा सिर्फ इसलिए है क्योंकि एक तरह का नैरेटिव गढ़ा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अदालत यह सुनिश्चित करेगी कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की निष्पक्ष और बिना किसी भेदभाव के जांच हो। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

पुलिस ने सोशल मीडिया से 3200 आपत्तिजनक पोस्ट हटाए, पुलिस को कई सुरक्षा वाहनों की सौगान मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर पुलिस ने जून 2023 से अब तक 5,406 संवेदनशील, हिंसक और सांप्रदायिक पोस्ट की पहचान की है। इनमें से लगभग 3,200 पोस्ट हटा दिए गए हैं। पुलिस ने 187 पेज और अकाउंट भी ब्लॉक किए हैं। यह जानकारी पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई राज्य आईटी विभाग और केंद्र के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मिलकर की है। यह कदम मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया। डीजीपी ने कहा, एक जून 2023 से कुल 5,406 संवेदनशील, हिंसक और सांप्रदायिक पोस्ट की पहचान की गई। राज्य आईटी विभाग और मीईटीवाई के समन्वय से लगभग 3,200 पोस्ट हटाए गए। कुल 187 पेज और अकाउंट भी ब्लॉक किए गए। उन्होंने सार्वजनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं की रोकथाम, निगरानी और सत्यापन की आवश्यकता पर जोर दिया। डीजीपी ने कहा, केंद्र सरकार के समर्थन ने मणिपुर पुलिस की परिचालन क्षमता को काफी बढ़ाया है। इसने उभरती सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से जवाब देने की हमारी क्षमता को मजबूत किया है। उन्होंने आगे कहा कि आज हरी झंडी दिखाए गए वाहन पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में गतिशीलता, प्रतिक्रिया समय और रसद सहायता में सुधार करेंगे। नए खरीदे गए वाहनों में से 54 फीसदी पहाड़ी जिलों में भेजे जाएंगे। शेष वाहन घाटी और पुलिस की तकनीकी इकाइयों में तैनात किए जाएंगे। डीजीपी ने बताया कि जब उन्होंने जून 2023 में कार्यभार संभाला था, तब राज्य दो समुदायों के बीच हिंसा के कारण कठिन दौर से गुजर रहा था। पुलिस के आधुनिकीकरण की एक व्यापक योजना तैयार की गई और 2023 के अंत में राज्य सरकार को भेजी गई।

यूपी में बकरीद को लेकर नई गाइडलाइन, कुर्बानी और नमाज को लेकर सीएम योगी के आदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बकरीद से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर बड़ा प्रशासनिक एक्शन देखने को मिला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यभर के अधिकारियों को साफ निर्देश जारी करते हुए सख्त व्यवस्था लागू करने को कहा है। इन निर्देशों का मकसद त्योहारों के दौरान शांति, सुरक्षा और नियमों का पालन सुनिश्चित करना बताया गया है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की, जिसमें उन्होंने साफ कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह की कुर्बानी की अनुमति नहीं दी जाएगी। केवल निर्धारित और पहले से चिन्हित स्थलों पर ही पशु बलि की अनुमति होगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि किसी भी नई परंपरा को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा सीएम योगी आदित्यनाथ ने ये निर्देश भी दिया कि नमाज केवल पारंपरिक स्थलों पर ही अदा की जाएगी। सड़क पर या सार्वजनिक मार्गों को अवरुद्ध कर नमाज पढ़ने की अनुमति किसी भी स्थिति में नहीं दी जाएगी। सरकार का कहना है कि यह कदम आम जनता की आवाजाही और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

अवैध बूचड़खानों पर होगा एक्शन

बैठक में मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि त्योहार के दौरान स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। कुर्बानी के बाद उत्पन्न होने वाले कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और खुले में मांस बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध लागू हो। साथ ही अवैध बूचड़खानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। सीएम ने ये भी कहा कि कानूनी बूचड़खानों में भी क्षमता से ज्यादा पशु नहीं रखे जाएं। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए और फ्लैग मार्च और पैदल गश्त लगातार की जाए ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। इस समीक्षा बैठक में अलीगढ़, बिजनौर, सहारनपुर, रामपुर और संभल जैसे संवेदनशील जिलों के अधिकारियों से भी बातचीत की गई। मुख्यमंत्री ने पिछली घटनाओं का अध्ययन कर संभावित असामाजिक तत्वों की पहचान करने और उनके खिलाफ पहले से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

'भस्मासुर' राहुल गांधी अराजकता फैला रहे : भाटिया

नई दिल्ली। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उन पर टूलकिट पॉलिटिक्स फैलाने और केंद्र सरकार की स्थिरता के बारे में गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियां करने का आरोप लगाया। भाटिया ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। ये टिप्पणियां राहुल गांधी के उस बयान के बाद आईं, जो उन्होंने कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक के दौरान दिया था, जहां उन्होंने दावा किया था कि यदि मौजूदा आर्थिक स्थिति बनी रहती है, तो सरकार अगले साल तक नहीं टिक पाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के नाम से सामने आए हालिया राजनीतिक बयानों पर बोलते हुए भाटिया ने सरकार के गिरने के दावों को बार-बार दोहराई जाने वाली गलत सूचना बताया। उन्होंने कहा कि कल एक और 'विवाद' सामने आया, जिसमें कहा जा रहा है कि यह सरकार, जो पूरी ताकत से देश की सेवा कर रही है, एक साल के भीतर गिर जाएगी। मैं सबसे पहले यह कहना चाहूंगा कि 'भस्मासुर राहुल गांधी' – हमें नहीं पता था कि भस्मासुर ज्योतिषी भी बन जाएंगे। भाटिया ने राहुल गांधी की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें विरोधाभासी और भ्रम पैदा करने का प्रयास बताया।

बिजली संकट पर अखिलेश यादव का भाजपा पर करारा वार : महा विद्युत संकट से जनता बेहाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में चल रहे बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी राजनीतिक दांव-पेच और मंत्रिमंडल फेरबदल के जरिए जनता के बढ़ते गुस्से से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। X पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में यादव ने भाजपा विधायकों और सांसदों पर उत्तर प्रदेश में चल रहे महा विद्युत संकट को लेकर जनता के आक्रोश से खुद को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता जनहित में नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए पत्र जारी कर रहे हैं।

अखिलेश ने लिखा कि उत्तर प्रदेश में असहनीय 'महा विद्युत संकट' के कारण लगातार बढ़ते जन आक्रोश से बचने के लिए, भयभीत भाजपा विधायक और सांसद एक दिखावटी पत्र के रूप में 'कागजी कवच' का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं - लेकिन यह पत्र वास्तव में उनकी अपनी सरकार को लिखा गया कोई 'जनहित पत्र' नहीं है; बल्कि यह आगामी चुनावों में भाजपा की डूबती नाव से निकलकर विपक्ष को टिकट पाने के लिए लिखा गया एक 'आवेदन पत्र' है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान लंबे समय तक बिजली कटौती ने बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं और बीमारों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, साथ ही उन्होंने सरकार पर जनता की शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। यादव ने आगे कहा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है जो जनता को केवल कष्ट, पीड़ा और कठिनाइयों का ही कारण देते हैं।

अभी तक नहीं लिया सबक, एनटीए पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, केंद्र-सीबीआई को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर दायर याचिका पर सोमवार (25 मई) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (FAIMA) और यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट की याचिका पर कोर्ट ने केंद्र सरकार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) और सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले पर अगली सुनवाई शुक्रवार (29 मई) को होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की स्पेशल बेंच के समक्ष याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता तन्वी दुबे ने परीक्षा के संचालन से संबंधित शिकायतें पेश कीं और कोर्ट से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। इन याचिकाओं में NEET की दोबारा परीक्षा प्रक्रिया न्यायिक निगरानी में कराए जाने की मांग की गई है।

याचिका में मांग की गई है कि NEET-UG 2026 दोबारा कराने की पूरी प्रक्रिया की निगरानी एक हाई-पावर्ड कमेटी' करे, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज करें। इस कमेटी में एक साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ और एक फॉरेंसिक वैज्ञानिक भी शामिल किए जाने की मांग की गई है । याचिका में मांग की गई है कि जब तक नई स्वतंत्र परीक्षा संस्था (एनईआईसी) औपचारिक रूप से नहीं बन जाती, तब तक इसी न्यायिक समिति की निगरानी में NEET-UG की पुनर्परीक्षा कराई जाए। याचिका में नीट के सेंटर-वाइज रिजल्ट सार्वजनिक किए जाने की भी मांग की गई है, ताकि किसी भी असामान्य पैटर्न या गड़बड़ी का पारदर्शी तरीके से पता लगाया जा सके।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चिंता जताई। इस दौरान कोर्ट ने सख्त लहजे में टिप्पणी की कि ऐसा लगता है कि संबंधित संस्थाओं ने पिछले विवादों से अब तक कोई सबक नहीं सीखा है। बेंच ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सर्वोच्च अदालत का इसी मामले में पहले आदेश भी है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने NTA से तीख सवाल पूछे और याद दिलाया कि साल 2024 के NEET विवाद के बाद एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाई गई थी, जिसकी सिफारिशों को स्वीकार भी किया गया था। कोर्ट ने अब एनटीए को विस्तृत काउंटर एफिडेविट (जवाब-दावा) दाखिल करने का निर्देश दिया है, जिसमें यह बताना होगा कि उस कमेटी की सिफारिशों को जमीन पर किस तरह लागू किया गया।

कानपुर में एसएससी जीडी पेपर लीक होने का आरोप : भड़के अभ्यर्थियों ने महाराजपुर हाईवे किया जाम, पुलिस से तीखी झड़प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में एसएससी जीडी परीक्षा के दौरान पेपर लीक के गंभीर आरोपों के बाद रविवार को जमकर बवाल हो गया। सरसौल क्षेत्र के एक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र पर समय से पहले पेपर बांटने और धांधली की खबर जैसे ही बाहर आई, अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्र के बाहर उग्र प्रदर्शन करते हुए महाराजपुर हाइवे को पूरी तरह जाम कर दिया। इस दौरान हाईवे खाली कराने पहुंची पुलिस और आक्रोशित छात्रों के बीच तीखी नोकझोंकऔर झड़प भी हुई।

पूरा मामला सरसौल स्थित श्रीमती रामकली इकबाल बहादुर ऑनलाइन सेंटर का है, जहां रविवार दोपहर 1:00 बजे की शिफ्ट में एसएससी जीडी की परीक्षा होनी तय थी। परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों का आरोप है कि केंद्र प्रशासन ने धांधली की नीयत से कुछ चुनिंदा अभ्यर्थियों को तय समय से काफी पहले ही चुपके से अंदर बुला लिया, जबकि अधिकांश छात्र बाहर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच अंदर गए छात्रों को निर्धारित समय से पहले ही प्रश्नपत्र बांट दिया गया। जैसे ही यह खबर बाहर खड़े अभ्यर्थियों तक पहुंची, परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर हड़कंप मच गया और छात्रों ने पेपर लीक होने का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया।

सेंटर ने परीक्षार्थियों को खदेड़ा, भड़के छात्रों ने हाईवे पर डाला डेरा

विवाद और शोर-शराबा बढ़ता देख परीक्षा केंद्र के संचालकों ने खुद को बचाने के लिए अंदर कंप्यूटर पर परीक्षा दे रहे सभी अभ्यर्थियों को जबरन परीक्षा कक्ष से बाहर निकाल दिया। इस तानाशाही रवैये से अभ्यर्थियों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। परीक्षा निरस्त करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर सैकड़ों की संख्या में छात्र परीक्षा केंद्र के बाहर स्थित महाराजपुर हाईवे पर ही धरने पर बैठ गए। छात्रों के सड़क पर बैठते ही देखते ही देखते नेशनल हाईवे के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं और पूरा यातायात ठप हो गया।

राहुल गांधी युवाओं को पीएम मोदी के खिलाफ भड़का रहे : गिरिराज सिंह का तीखा वार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को राहुल गांधी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे निराधार टिप्पणियों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ युवाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। गांधी के इस दावे पर सिंह ने जवाब दिया कि बढ़ती महंगाई के कारण भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार एक साल के भीतर गिर जाएगी। सिंह ने कहा कि राहुल गांधी देश को समझ नहीं पा रहे हैं; वे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ देश के युवाओं को भड़काना चाहते हैं और युद्ध छेड़ना चाहते हैं। यह देश प्रधानमंत्री से प्यार करता है; जब भी देश में ऐसी घटनाएं हुई हैं, यह राष्ट्र दृढ़ रहा है। देश प्रधानमंत्री मोदी की (किफायती) अपील पर काम कर रहा है। उन्होंने बिहार के पटना में पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही।

सिंह ने राहुल गांधी को 'राहुल मियां' कहकर संबोधित किया और कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि यह 'माओवादी मुस्लिम कांग्रेस' बन गई है। उन्होंने दोहराया कि देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ है: राहुल गांधी अब कांग्रेस में नहीं हैं; वे 'राहुल मियां' बन गए हैं। उन्होंने इसे माओवादी मुस्लिम कांग्रेस में बदल दिया है, और उन्हें इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए – देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा है।" राहुल गांधी की ये टिप्पणियां 23 मई को कांग्रेस पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में आईं, जहां उन्होंने दावा किया कि यदि मौजूदा आर्थिक स्थिति जारी रही, तो सरकार अगले साल तक नहीं टिक पाएगी।

बैठक में उपस्थित अन्य लोगों में कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, अभिषेक सिंहवी, तारिक अनवर, इमरान मसूद और अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शायर इमरान शामिल थे।

रोहिंग्याओं को निकालने की तैयारियां तेज, डिपोर्ट करने के लिए बनेंगे होल्डिंग सेंटर, सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया तेज करने के लिए विशेष होल्डिंग सेंटर स्थापित करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश भेजे गए हैं और जल्द उपयुक्त स्थान चिन्हित कर कार्रवाई शुरू करने को कहा गया है।

प्रशासन का मुख्य फोकस सीमावर्ती जिलों और उन संवेदनशील इलाकों पर रहेगा, जहां अवैध प्रवासियों के रहने की आशंका अधिक है। अधिकारियों को ऐसे क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और पहचान प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य राज्य में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और अवैध घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

सरकारी योजना के अनुसार, पकड़े गए अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को सीधे जेल भेजने के बजाय इन विशेष होल्डिंग सेंटरों में रखा जाएगा। यहां उनकी पहचान, दस्तावेजों की जांच और कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। संबंधित देशों से सत्यापन और औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही उन्हें वापस भेजा जाएगा।

राजनीतिक तौर पर भी इस फैसले को अहम माना जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में अवैध घुसपैठ के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। पार्टी नेताओं ने दावा किया था कि सत्ता में आने पर अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। अब सरकार द्वारा होल्डिंग सेंटर बनाने की पहल को उसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम सुरक्षा और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हो सकता है, हालांकि मानवाधिकार और कानूनी प्रक्रियाओं को लेकर बहस भी तेज होने की संभावना है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पूरी प्रक्रिया कानून के दायरे में रहकर और जरूरी जांच-पड़ताल के बाद ही पूरी की जाएगी।

'महंगाई मानव मोदी की फिर से स्ट्राइक', पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को लेकर राहुल ने साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को ईंधन की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि चुनाव खत्म होने के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी करके वह उपभोक्ताओं पर बोझ डाल रही है।

एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए उन्हें 'महंगाई मानव मोदी' कहा और आरोप लगाया कि जनता के गुस्से को कम करने के लिए ईंधन की कीमतें किस्तों में बढ़ाई जा रही हैं। राहुल ने हमला करते हुए लिखा, 'महंगाई मानव मोदी का फिर से हमला। पेट्रोल-डीजल के दाम किश्तों में बढ़ाते हैं - ताकि चुपके-चुपके आपकी जेब कटती रहे। मैं महीनों से आर्थिक तूफान आने की बात कह रहा था। पर मोदी जी तब हमेशा की तरह चुनाव में व्यस्त थे और चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीजल ₹8 महंगा कर दिया।'

> ''चुनाव में वादे और चुनाव के बाद जेब पर वार'
>
> उन्होंने आगे प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वे चुनावी अभियानों के दौरान वादे करते हैं, जबकि बाद में नागरिकों पर आर्थिक बोझ डाल देते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'और, ये बढ़त होती ही जाएगी। महंगाई मानव मोदी का एक ही काम है चुनाव में वादे और बाकी समय जनता की जेब पर वार।'

'चौथी बार बढ़ाई गईं कीमतें

राहुल ने सरकार पर ये तंज तब कसा है जब वैश्विक कच्चे तेल के बाजारों में लगातार उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच दो हफ्तों से भी कम समय में पेट्रोल और डीजल की कीमतें चौथी बार बढ़ाई गईं। सोमवार के बदलाव के साथ दिल्ली में पेट्रोल की कीमतें 2.61 रुपये बढ़कर 102.12 रुपये प्रति लीटर हो गईं, जबकि डीजल 2.71 रुपये बढ़कर 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गया। यह ताजा बढ़ोतरी 15 मई को 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद हुई है। इसके बाद 19 मई को 90 पैसे की बढ़ोतरी हुई और फिर 23 मई को एक और बढ़ोतरी हुई, जब पेट्रोल 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल 91 पैसे महंगा हो गया। कुल मिलाकर दो हफ्तों से भी कम समय में ईंधन की कीमतें 7 रुपये से ज्यादा बढ़ गई हैं।

हाथरस में रेलवे ट्रैक पर खड़ी कर दी कार और हो गए फरार... ट्रेन से टक्कर में बाल-बाल बचे लोग

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। यूपी के हाथरस जिले में देर रात बड़ा ट्रेन हादसा होते-होते बच गया। पुरानी रंजिश में दंबगों ने दंपति के साथ मारपीट की और उनकी कार को रेलवे ट्रैक पर छोड़कर फरार हो गए। कार आगरा फोर्ट एक्सप्रेस से टकराई, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोको पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। उसके बाद ट्रेन में सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और मामले की जांच कर रही है। घटना जिले के मुरसान कस्बे की है।

जानकारी के अनुसार, मुरसान के मोहल्ला खाई निवासी रतनलाल अपनी पत्नी के साथ जट्टारी से वापस लौट रहे थे। देर रात करीब 11 बजे जब वह मुरसान सब्जी मंडी के पास पहुंचे, तभी डेविड उर्फ शांतनु, भानु, मोना समेत 5-6 लोगों ने उनकी कार को रोक लिया। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों से दंपत्ति के साथ मारपीट की और उनकी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

रेलवे ट्रैक पर खड़ी कर दी कार

पीड़ित रतनलाल का आरोप है कि वह जान बचाने के लिए पत्नी के साथ कार से जैसे निकलने इसी बीच भानु और मोना उनकी कार लेकर फरार हो गए। बाद में आरोपियों ने कार को मुरसान रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर खड़ा कर दिया। कुछ समय बाद मथुरा से हाथरस की ओर जा रही रामनगर-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस ट्रैक पर खड़ी कार से टकरा गई।

घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी, रेलवे कर्मचारी और मुरसान पुलिस मौके पर पहुंची। रेलवे कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार को ट्रैक से हटाया, जिसके बाद लगभग एक घंटे बाद ट्रेन को आगे रवाना किया गया। गेटमैन सूरज ने अधिकारियों को बताया कि वह अपनी केबिन में मौजूद था और उसे ट्रैक पर कार पहुंचने की जानकारी नहीं हो सकी।

क्या था विवाद?

पीड़ित रतनलाल ने बताया कि करीब 15-20 दिन पहले उनके बेटे का डेविड से विवाद हुआ था। तभी से वह इसे रंजिश मान रहा था और लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहा था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

जांच टीम की छापेमारी से मचा हड़कंप, कई अस्पतालों के शटर गिरे

सुल्तानपुर। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शहर भर के नर्सिंग होम, पैथोलॉजी और मेडिकल स्टोरों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कई संचालक शटर गिराकर फरार हो गए, जबकि नोबेल पैथोलॉजी और अजंता मेडिकल स्टोर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेसी सरोज के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई ने एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिन अस्पतालों और पैथोलॉजी पर आज छापे पड़ रहे हैं, वे आखिर अब तक किसकी निगरानी में धड़ल्ले से संचालित हो रहे थे? करौंदिया स्थित साकेत हॉस्पिटल पर टीम पहुंची तो संचालक पहले ही शटर गिराकर गायब हो चुके थे। सवाल यह भी है कि विभाग की कार्रवाई सिर्फ छापेमारी और नोटिस तक सीमित रहेगी या अवैध संचालन पर स्थायी शिकंजा भी कसेगा।

जौनपुर में दूल्हे को गोली मारने वाला बदमाश एनकाउंटर में ढेर, 1 लाख का था इनाम

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर की पुलिस ने दूल्हा आजाद बिंद हत्याकांड के मुख्य आरोपी रवि यादव का एनकाउंटर किया है। आमने-सामने की फायरिंग में पुलिस ने इस बदमाश को मार गिराया है। इस बदमाश को पकड़ने के लिए पुलिस ने पहले ही एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इस बदमाश के एनकाउंटर के दौरान जौनपुर में लाइन बाजार थाने के एसएचओ केके सिंह को भी गोली लग गई। इसमें वह बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। उनके बाएं हाथ में गोली लगी है।

दरअसल, रविवार की देर रात जौनपुर पुलिस को दूल्हा हत्याकांड में फरार चल रहे एक लाख के इनामिया बदमाश रवि यादव के बारे में इनपुट मिला था। उसकी लोकेशन खेतासराय थाना क्षेत्र के रानीमऊ मोड़ के आसपास मिली थी। पुलिस ने इसके लिए वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। सामने से आ रहे आरोपी को जब रोकने की कोशिश की गई तो वह पुलिस टीम पर फायरिंग करके भागने लगा।

पुलिस ने घेराबंदी की और आरोपी को सरेंडर करने के लिए कहा। लेकिन इस बदमाश ने भागने की कोशिश करते हुए पुलिस पर फायरिंग की। ऐसे में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें गोली लगने से एक लाख के इनामिया रवि यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रवि यादव की चलाई गोली से इंस्पेक्टर केके सिंह बुरी तरह जख्मी हो गए।

बाल-बाल बचे दो पुलिसकर्मी

एनकाउंटर के दौरान बदमाश रवि यादव ने पुलिस पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस दौरान दो कांस्टेबल को भी गोली लगी। गनीमत रही कि ये कांस्टेबल बुलेटप्रूफ जैकेट पहने थे, इसलिए वे बच गए। वहीं बाएं हाथ में गोली लगने से इंस्पेक्टर जख्मी हो गए। उन्हें फिलहाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब तक जौनपुर पुलिस रवि यादव के 13 साथियों को अरेस्ट कर जेल की सलाखों में डाल चुकी है।

नेपाल बॉर्डर तक लगी पुलिस की टीमें

1 मई की रात बारात लेकर जा रहे 25 वर्षीय दूल्हे आजाद बिंद की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों को मुख्य आरोपी बनाया था। इनमें प्रदीप बिंद (निवासी चिकसावा, थाना बरदह, आजमगढ़), रवि यादव (निवासी सोंधी, थाना खेतासराय) और भोले राजभर (निवासी जपटापुर, थाना सरायख्वाजा) शामिल हैं। इन तीनों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस अभी भी इन बदमाशों की तलाश कर रही है। इसके लिए दिल्ली, वाराणसी, प्रयागराज, सुल्तानपुर और नेपाल बॉर्डर तक दस टीमें लगाई गई हैं।

भाई की हत्या के बाद बहन का धरना

दूल्हा आजाद बिंद की हत्या के बाद न्याय के लिए उसकी बहन सौम्या बिंद लगातार प्रदर्शन कर रही थी। इसमें बिंद समाज के लोगों के साथ ही कई जिलों के राजनीतिक दलों के लोग भी उनका साथ दे रहे थे। जौनपुर पुलिस के लिए तीनों फरार एक लाख के इनामिया अभियुक्तों की गिरफ्तारी न होना बड़ा सिरदर्द बन गया था। हालांकि, रवि यादव को ढेर करने के बाद पुलिस बाकी फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

महोबा दलित छात्रा प्रकरण पर कांग्रेस का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। महोबा जनपद में नीट की तैयारी कर रही एक दलित छात्रा के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म और उत्पीड़न के मामले को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय से जुलूस निकाला, जो लाल डिग्गी चौराहा, सुपर मार्केट और डाकखाना चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। ज्ञापन में कहा गया कि महोबा की एक दलित छात्रा, जो नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी, का कोचिंग से लौटते समय कथित रूप से अपहरण कर लिया गया। आरोप है कि छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया तथा शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। ज्ञापन में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच, फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई, पीड़िता व उसके परिवार की सुरक्षा और आर्थिक सहायता की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और महिलाओं व दलित समाज के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई न होने पर कांग्रेस आंदोलन तेज करेगी। शहर अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं और दलित समाज के खिलाफ बढ़ते अपराध गंभीर चिंता का विषय हैं तथा पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

गांव में डबल चोरी से सनसनी, लाखों के जेवर-नकदी पार, तहरीर बदलवाने का भी आरोप

सुल्तानपुर। जनपद के कूरेभार थाना क्षेत्र के बरौला गांव में रविवार देर रात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। पीड़ितों ने गांव के एक व्यक्ति पर संदेह जताया है, वहीं पुलिस पर तहरीर बदलवाने का आरोप भी लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार, बरौला गांव निवासी प्रवीण कुमार यादव पुत्र देवी प्रसाद यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 मई की रात चोरों ने पहले उनके घर में सेंध लगाने का प्रयास किया। असफल होने पर रात करीब 2 बजे दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुस गए। चोरों ने सूटकेस का लॉकर तोड़कर भाई और भाभी के सोने-चांदी के कीमती जेवरात चोरी कर लिए। इसी रात करीब 2.30 बजे चोरों ने गांव के ही विकास यादव पुत्र बाबूराम यादव के घर को भी निशाना बनाया।

पहले प्रेमी ने किया रेप, फिर दोस्त को सौंप दी गर्लफ्रेंड... इनकार पर दोनों ने कर दी हत्या, अब मिर्जापुर पुलिस ने किया एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। मिर्जापुर जिले में प्रेमी और उसके दोस्त ने किशोरी से रेप के बाद बेरहमी से हत्या कर शव सूखे नाले में फेंक दिया था। इस मामले में फरार प्रेमी के दोस्त और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने आरोपी को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया है, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मामला मिर्जापुर के पड़री थाना क्षेत्र के बसारी गांव का है। 24 मई को प्रेमी और उसके दोस्त ने किशोरी से दुष्कर्म कर बेरहमी से हत्या कर दी थी। इसके बाद शव सूखे नाले में फेंक फरार हो गए थे। इस केस में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान प्रेमी के दोस्त को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी अजय बिंद ने पुलिस को बताया कि 'मेरे दोस्त साजन उर्फ राजन का मृतका कविता से पहले से संबंध था। साजन ने

मुझसे कहा कि चलो, मैं अपनी प्रेमिका से तुम्हें मिलाता हूं। हम दोनों लोग 23 मई की रात मिलने गए थे, जहां साजन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने लगा। मैं भी शारीरिक संबंध बनाना चाहता था तो मृतका कविता विरोध करने लगी और शोर मचाने लगी।'

उसने बताया कि 'हमने उसके सीने पर पत्थर से मारा और साजन ने मुंह-गला गमछे से दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को सूखे नाले में फेंक फरार हो गए थे।' पुलिस ने आरोपी को गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया है। प्रेमी साजन उर्फ राजन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। दरअसल, किशोरी कविता 23 मई की रात घर में सोई थी, अचानक लापता हो गई। सुबह नहीं दिखाई देने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। सुबह ग्रामीणों ने सूखे नाले में शव देखकर परिजनों को सूचना दी। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी। कविता के शरीर पर कई चोट के निशान मिले थे। नाक, होंठ और गले पर गंभीर चोट के निशान थे। पुलिस के अनुसार, किशोरी ने प्रेमी के दोस्त से संबंध बनाने से इनकार किया तो दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक नितेश कुमार सिंह ने बताया कि किशोरी से दुष्कर्म और हत्या के मामले में फरार एक आरोपी, उसके प्रेमी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। प्रेमी के दोस्त को आज मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। आगे की जांच की जा रही है।

पुतला फूंककर केंद्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भारत की जनवादी नवजवान सभा (डीवाईएफआई) और स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) कार्यकर्ताओं ने आज़ाद पार्क के सामने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी का पुतला फूंककर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। लगातार बढ़ रही पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर छात्रों और युवाओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन कठिन होता जा रहा है।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए डीवाईएफआई जिलाध्यक्ष बाल कृष्ण मिश्र ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में वृद्धि से किसानों, मजदूरों, छात्रों और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर कॉर्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने में लगी हुई है। डीवाईएफआई और एसएफआई के पूर्व जिला अध्यक्ष रह चुके कामरेड शशांक पाण्डेय ने कहा कि सरकार की ये नीतियां किसान विरोधी है अब जबकि किसानों को खेत मे सिंचाई के लिए डीजल की सबसे ज्यादा जरूरत है ऐसे मे दाम बढ़ाना किसानों के जख्मों पर नमक रगड़ने जैसा है। उन्होंने आगे कहा कि डीजल का दाम बढ़ने के साथ ही ढुलाई भी महंगी हो रही है जिससे दैनिक उपयोग के समानों के दाम बढ़ने से आम जनता की जेब पर बोझ बढ़ रहा है जो आर्थिक तंगी से जूझ रही जनता के साथ अविवेकपूर्ण रवैया है ऐसे मे हमारा संगठन जनता के लिए संघर्ष मे हर समय मौजूद है। एसएफआई जिला मंत्री दुर्गेश यादव और जिलाध्यक्ष सलिल धुरिया ने कहा कि महंगाई का सबसे अधिक असर छात्रों और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। परिवहन महंगा होने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

गड्ढा घोटाला जांच पर उठे सवाल, जांच टीम पर ही पक्षपात के आरोप

सुल्तानपुर। जनपद में वृक्षारोपण के नाम पर खोदे गए कथित गड्ढा घोटाले की जांच रिपोर्ट अब तक जिलाधिकारी को न सौंपे जाने पर सवाल खड़े होने लगे हैं। मामले में जांच टीम की निष्पक्षता को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। शिकायतकर्ता संतराम ने आरोप लगाया है कि वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी अपने करीबियों एवं अधीनस्थों को बचाने में जुटे हुए हैं और सेटिंग गेटिंग के आधार पर रिपोर्ट तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक जांच रिपोर्ट 14 मई तक जिलाधिकारी को सौंपनी थी, लेकिन अब तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि जांच टीम में शामिल कुछ अधिकारी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने से बच रहे हैं। विभागीय दबाव की चर्चा भी सामने आ रही है। शिकायतकर्ता संतराम का आरोप है कि जिन वनकर्मियों पर अनियमितता के आरोप लगे हैं, उन्हीं क्षेत्रों से जुड़े कर्मचारियों को जांच टीम में शामिल किया गया है।

पूजा के बाद मंदिर पर ताला... लगा नोटिस बोर्ड, सहारनपुर में पुजारी पर पॉक्सो केस के विरोध में लोग

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। सहारनपुर में मंदिर के पुजारी पर दर्ज हुए पॉक्सो एक्ट के मुकदमे को लेकर अब विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। शहर से लेकर देहात तक के कई मंदिरों में सुबह पूजा-अर्चना के बाद मंदिरों के कपाट बंद कर दिए गए हैं। मंदिरों के बाहर पुजारियों द्वारा विरोध स्वरूप नोटिस बोर्ड भी लगाए गए हैं। ब्राह्मण समाज और राजपूत समाज के लोग इसे पुजारी के खिलाफ अन्यायपूर्ण कार्रवाई बताते हुए खुलकर आंदोलन में उतर आए हैं।

ब्राह्मण समाज के लोगों का दावा है कि प्रदेश में यह पहली बार हो रहा है, जब किसी घटना के विरोध में इतने बड़े स्तर पर मंदिर बंद किए गए हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि यह केवल एक पुजारी का मामला नहीं बल्कि पूरे ब्राह्मण समाज के सम्मान और सुरक्षा का प्रश्न बन चुका है।

समाज के लोगों का आरोप है कि

देहात कोतवाली क्षेत्र स्थित मंदिर के 65 वर्षीय पुजारी विजय तिवारी के खिलाफ दर्ज कराया गया मामला पूरी तरह जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है, जिसे अब अलग रंग देने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि मंदिर के पास की जमीन पर कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था और अब उसी विवाद को जातीय तनाव में बदलने का प्रयास किया जा रहा है। विरोध कर रहे लोगों ने भीम आर्मी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संगठन के दबाव में पुलिस ने बिना निष्पक्ष जांच किए सीधे पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर दिया। उनका कहना है कि मामले की गहराई से जांच किए बिना एक बुजुर्ग पुजारी को आरोपी बना दिया गया, जिससे समाज में भारी नाराजगी है।

लगाए उत्पीड़न के आरोप

ब्राह्मण समाज से जुड़े लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदेश में लगातार ब्राह्मण उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं और अब समाज इसे आर-पार की लड़ाई के रूप में देख रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है, जबकि ब्राह्मण समाज के नाम पर राजनीति करने वाले विधायक और मंत्री भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

SSP कार्यालय के घेराव का ऐलान

इसी के विरोध में आज सहारनपुर में सुबह 11 बजे से बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया गया। ब्राह्मण समाज ने पुजारी के साथ कथित मारपीट की घटना और दर्ज मुकदमे के विरोध में सहारनपुर SSP कार्यालय के घेराव की घोषणा की है। वहीं आंदोलन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। शहर और देहात क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में क्यों बिगड़ी बिजली की हालत? उपभोक्ता परिषद ने बताई असली वजह

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भीषण गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में बिजली संकट गहराता जा रहा है। मई महीने में प्रदेश के साथ-साथ बाहरी स्रोतों से जुड़े दर्जनों थर्मल पावर प्लांट कई-कई दिनों तक बंद रहने के कारण हजारों मेगावाट बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भारी कटौती करनी पड़ी। उपभोक्ताओं का आरोप है कि भारी बिजली बिल वसूलने के बावजूद बिजली व्यवस्था को मजबूत करने में लापरवाही बरती गई।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आज गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि सिस्टम क्षमता में 2 करोड़ किलोवाट से अधिक का मिसमैच, मैनपावर की कमी और संविदा कर्मचारियों की

छंटनी ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के बाद उपभोक्ताओं को सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि यह निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन अब देखना यह होगा कि पावर कॉरपोरेशन केवल अपनी उपलब्धियां गिनाता रहेगा या जनता को पसीना बहाने से बचाएगा।

इन प्लांट्स के 23 मई तक बंद रहने से हुआ भारी नुकसान

घाटमपुर TPS 660 MW, 18 दिन बंद

ललितपुर TPS 660 MW, 11 दिन बंद

JSW महानदी (KSK) 1000 MW, 10 दिन बंद

ओबरा बी TPS 200 MW, 9.5 दिन बंद

ओबरा C TPS 660 MW, 8 दिन बंद

अनपरा-D TPS 500 MW, 6.5 दिन बंद

जवाहरपुर TPS 660 MW, 4 दिन बंद

अनपरा TPS 210 MW, 4 दिन बंद

लैंको 600 MW, 3 दिन बंद

परिछा TPS 250 MW, 3 दिन बंद

खुर्जा TPS 660 MW, 1 दिन बंद

इन बंदियों से कुल हजारों मेगावाट बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ। सबसे अधिक मार किसानों, छात्रों, छोटे व्यापारियों और आम घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ी।

अवधेश कुमार वर्मा ने आरोप लगाया कि बिजली उत्पादन इकाइयों के रखरखाव, कोयला प्रबंधन और सिस्टम क्षमता विस्तार में गंभीर लापरवाही बरती गई। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मचारियों की छंटनी और मैनपावर की कमी को कोई छिपा नहीं सकता। वर्टिकल व्यवस्था लागू होने के बाद सिस्टम में हाहाकार मचा हुआ है। उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने सरकार और बिजली कंपनियों से मांग की है कि बंद पड़ी सभी उत्पादन इकाइयों को तत्काल चालू किया जाए। भविष्य में ऐसे संकट से निपटने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। सिस्टम क्षमता को मांग के अनुरूप बढ़ाया जाए। रखरखाव और कोयला प्रबंधन को बेहतर बनाया जाए।

कप्तान साहब का अनोखा एक्शन

मठाधीशों को किया साइडलाइन, नौसिखियें चला रहे थाने!

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद की पुलिस व्यवस्था इन दिनों किसी प्रशासनिक व्यवस्था से कम और रिलेशनशिप मैनेजमेंट स्कीम ज्यादा नजर आ रही है। जो जितना एसपी कार्यालय के आसपास, वही उतना थानेदारी के करीब। लगता है अब जिले में कानून व्यवस्था नहीं करीबी व्यवस्था लागू हो चुकी है। मीडिया सेल में सक्रिय रहे प्रवीण कुमार यादव सीधे कुड़वार थाना प्रभारी बनने में कामयाब हो गए। उधर चर्चित उपनिरीक्षक उपेंद्र सिंह को कूरेभार थाने की कमान मिल गई। वही उपेंद्र सिंह जो पहले एसओजी प्रभारी रहे फिर करौंदीकला थाना प्रभारी बने और बाद में पत्नी के नाम जमीन सौदे की चर्चाओं में ऐसे घिरे कि कप्तान साहब को लाइन हाजिर करना पड़ा। लेकिन जनाब की वापसी देखिए। जिले में शायद री-लॉन्च ऑफर चल रहा है। दूसरी तरफ ज्ञानेश दूबे जैसे तेज-तर्रार और सख्त छवि वाले थानेदार, जिन्होंने शिवगढ़ और करौंदीकला जैसे थानों का कुशल संचालन किया उन्हें वलीपुर चौकी भेज दिया गया। संदेश साफ है। अगर आप ईमानदारी और सख्ती से काम करेंगे तो इनाम में चौकी मिल सकती है लेकिन अगर चर्चा और संपर्क मजबूत हैं तो थाना भी दूर नहीं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिले में इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी खत्म हो गए हैं या फिर अब थानों की कमान योग्यता, अनुभव और सेवा रिकॉर्ड से नहीं बल्कि विशेष कृपा से तय होगी। पब्लिक भी समझ रही है कि पुलिस विभाग में सख्ती अब अपराधियों पर कम और ईमानदार अधिकारियों पर ज्यादा दिखाई दे रही है। क्योंकि गलत लोगों को मलाईदार सीट मिलना और अच्छे काम करने वालों का साइडलाइन होना आखिर किस व्यवस्था का हिस्सा है। कप्तान साहब को शायद यह समझना होगा कि थाना केवल कुर्सी नहीं होता, वह जनता के भरोसे का केंद्र होता है। और जब उस कुर्सी पर बैठाने के फैसले सवालों में घिरने लगें तो फिर कानून व्यवस्था से ज्यादा चर्चा व्यवस्था की होने लगती है। सूत्रों के मुताबिक कई ऐसे थाना प्रभारी है जिनके क्षेत्र में बड़ी वारदातें हो रही है बड़ी धटनाओं को दर्ज न कर हजम कर जा रहे है फिर भी थाने पर बरकरार है।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को 7-कालिदास मार्ग स्थित अपने कैंप कार्यालय में आयोजित 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित, प्रभावी एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और युवाओं ने भाग लेकर अपनी समस्याएं उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।जनता दर्शन के दौरान लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, बिजली-पानी, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी समस्याएं उठाईं। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए

कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार अधिकारी मौके पर जाकर निरीक्षण करें और पीड़ितों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराएं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता दर्शन सरकार और आमजन के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है, जिससे वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनका शीघ्र समाधान संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनहित और सुशासन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।केशव प्रसाद मौर्य ने भरोसा दिलाया कि कोई भी फरियादी निराश नहीं लौटेगा और प्रत्येक समस्या के समाधान का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि ऐसा समाधान किया जाए जिससे पीड़ित पूरी तरह संतुष्ट हो और उसे बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। भूमि विवाद एवं अवैध कब्जों के मामलों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर भेजकर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न और अवैध कब्जों के मामलों में आवश्यकता पड़ने पर कठोर कार्रवाई भी की जाए।जनता दर्शन के दौरान मथुरा की राजकुमारी, जौनपुर के सुरेश चन्द्र मिश्रा तथा इटावा के सुधीर सिंह ने जमीनी विवाद से संबंधित समस्याएं रखीं। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजी जाए और समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाए।शाहजहांपुर के नीरज ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आवास दिलाने का अनुरोध किया, जबकि बहराइच की विट्टा ने चकबंदी से संबंधित मामले के निस्तारण की मांग की। लखनऊ के राम बहादुर अग्निहोत्री ने कैंसर से पीड़ित अपनी पुत्री के इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता दिलाने का अनुरोध किया।इसके अलावा मैनपुरी के अरविंद कुमार, संभल की रोनवती, चंदौली के शिवाजी मौर्य, हापुड़ के आनंद सैनी, औरैया के कृष्णदेव तथा कानपुर देहात के गंगाराम ने भी अपनी समस्याएं उप मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं।जनता दर्शन के दौरान उप मुख्यमंत्री स्वयं फरियादियों के बीच पहुंचे और उनसे सीधे संवाद कर समस्याएं सुनीं। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में दो दर्जन से अधिक श्रेणियों से जुड़े कई सौ लोगों ने अपनी समस्याएं प्रस्तुत कीं।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेही के साथ होना चाहिए, ताकि शासन-प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने कई जिलों के जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए।

यूपी में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने बढ़ाया गया, 26 मई को खत्म हो रहा कार्यकाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव न होने के कारण प्रदेश सरकार ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। बता दें कि प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो रहा है। इसे लेकर ग्राम प्रधान संगठनों ने भी मांग की थी कि कार्यकाल खत्म होने के बाद भी चुनाव होने तक वर्तमान प्रधानों को ही प्रशासन चलाने की अनुमति दी जाए। इस पर सरकार ने ग्राम प्रधानों के कार्यकाल को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है।

यह पहली बार होगा जब प्रदेश में प्रशासनिक समिति बनाई जाएगी। पंचायती राज विभाग ने सोमवार देर शाम इसका आदेश जारी कर दिया है। यूपी में 57 हजार 694 ग्राम पंचायतें हैं। इसके पहले राज्य सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण तय करने के लिए राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर दिया है। पंचायतीराज विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के नाम घोषित किए गए। अधिसूचना के मुताबिक इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति राम औतार सिंह को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सेवानिवृत्त अपर जिला न्यायाधीश बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया और एसपी सिंह को सदस्य नियुक्त किया गया है। आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से छह माह की अवधि के लिए की गई है। आयोग पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण के संबंध में आंकड़ों का परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगा।

"खोज – एक यात्रा" ने उपनिषदों की चेतना को नृत्य के माध्यम से किया जीवंत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्काईहॉप प्रोफेशनल डांस इंस्टिट्यूट द्वारा राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, भातखंडे में प्रस्तुत डांस ड्रामा "खोज – एक यात्रा" ने दर्शकों को अध्यात्म, आत्मचिंतन और भारतीय दर्शन की गहराइयों से जोड़ दिया। उपनिषदों से प्रेरित इस विशेष प्रस्तुति ने नृत्य, अभिनय और संगीत के माध्यम से आत्मा, चेतना और जीवन की खोज को प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया।

इस प्रस्तुति की कोरियोग्राफी आकाश राजपूत एवं दिव्या उपाध्याय द्वारा की गई, जबकि लेखन दिव्या उपाध्याय ने किया। कलाकारों में आकाश राजपूत, दिव्या उपाध्याय, गहना जैन, नितिन पवार, सौम्या वर्मा, रोशनी यादव, श्रेया अग्रहरि, आराध्या श्रीवास्तव, आद्या द्विवेदी, आव्या अग्रवाल, तनिषा, पूर्वी गोविंद, ऊर्वी, दिनेश मौर्य, कृतिश धवल,

अभिध्या गुप्ता, सान्वी तिवारी, श्रेया मौर्य एवं रोहित उपाध्याय ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कला प्रेमी, सांस्कृतिक हस्तियां एवं युवा दर्शक उपस्थित रहे। प्रस्तुति के दौरान कलाकारों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति, ऊर्जा और मंच संयोजन ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। भारतीय एवं समकालीन नृत्य शैलियों के संगम ने कार्यक्रम को एक अलग पहचान दी।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सूर्यकांत मिश्रा, सेवानिवृत्त आईआरएस एवं चेयरमैन, इंडियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल सोसाइटी, डॉ. इला पांडेय, हेड मेडिसिन विभाग, मेदांता हॉस्पिटल, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर, जीएसटी एवं दुर्गेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय अध्यक्ष – एकल अभियान (युवा प्रकोष्ठ) मंच उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के अंत में दर्शकों ने पूरी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि "खोज – एक यात्रा" केवल एक सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं बल्कि आत्मिक अनुभूति का अनुभव थी।

यूपीएससी परीक्षा के बाद मानसिक तनाव में युवक ने गोमती में लगाई छलांग, शव बरामद

लखनऊ। राजधानी के चौक क्षेत्र स्थित पक्का पुल से गोमती नदी में एक युवक के कूदने की सूचना मिलने से सोमवार सुबह हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों के साथ खोज अभियान शुरू किया गया। बाद में एसडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने सघन तलाश के दौरान युवक का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 10:15 बजे थाना चौक को सूचना प्राप्त हुई कि पक्का पुल से एक युवक गोमती नदी में कूद गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई गई।

आईआईएम रोड पर व्यक्ति ने फांसी लगाकर दी जान : अस्पताल में उपचार के दौरान मौत, पुलिस जांच में जुटी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के आईआईएम रोड क्षेत्र में एक 49 वर्षीय व्यक्ति द्वारा कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। परिजन उन्हें गंभीर अवस्था में अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, सोमवार को हिन्द हॉस्पिटल एंड मैटरनिटी सेंटर, आईआईएम रोड स्थित महर्षि यूनिवर्सिटी के निकट से थाना स्थानीय पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि हरि मोहन त्रिपाठी (49) पुत्र रामउजागर त्रिपाठी निवासी बालाजी इन्क्लेव, लेन संख्या-7, मुतक्कीपुर, आईआईएम रोड को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।परिजनों ने पुलिस को बताया कि हरि मोहन त्रिपाठी ने सोमवार तड़के

करीब साढ़े तीन बजे अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। घटना की जानकारी होने पर परिवार के लोग तत्काल उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों द्वारा उपचार किया गया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण सुबह 5 बजकर 59 मिनट पर उनकी मृत्यु हो गई।प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि मृतक पूर्व में उपहार ग्रुप ऑफ कंपनी (पान मसाला) में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान समय में वह किसी नौकरी में नहीं थे। परिवार में उनकी दो पुत्रियां हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक विधिक प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। उपनिरीक्षक आदित्य द्विवेदी द्वारा पंचायतनामा की कार्रवाई संपादित की जा रही है। नियमानुसार कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए मर्चरी हाउस भेज दिया गया है।पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

बीबीएयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के तहत विशेष योग सत्र शुरू, अमेरिका के विद्यार्थियों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में "योगः स्वास्थ्य, ज्ञान और विश्व शांति के लिए" विषय पर विशेष ऑफलाइन एवं ऑनलाइन योगाभ्यास सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल के संरक्षण में योग विभाग द्वारा संचालित यह कार्यक्रम भारत और अमेरिका के मध्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह कार्यक्रम बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ और अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित द एवरग्रीन स्टेट कॉलेज के मध्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक सहयोग के

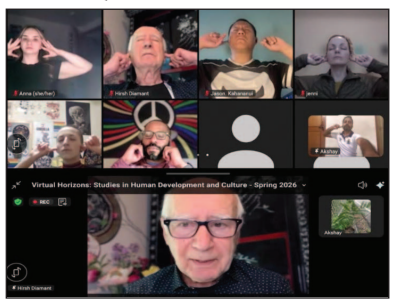

अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत अमेरिका के 50 विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।योग विभाग द्वारा संचालित इन विशेष सत्रों में विद्यार्थियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी), सूक्ष्म व्यायाम, श्वसन अभ्यास, ध्यान तथा विश्राम तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के वैज्ञानिक, व्यावहारिक और जीवनोपयोगी स्वरूप को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करना तथा अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक इसकी उपयोगिता को पहुंचाना है।कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने संदेश में कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है, जो आज संपूर्ण विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और शांति का मार्ग दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार करने का माध्यम है। उनके अनुसार, अमेरिका के विद्यार्थियों के साथ आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय योग पहल भारतीय ज्ञान परंपरा, वैश्विक सहयोग और समग्र स्वास्थ्य चेतना को बढ़ावा देने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने मांगी निलंबित कर्मचारियों की जानकारी

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) ने अपने विभिन्न वितरण क्षेत्रों और कार्यालयों में कार्यरत निलंबित कर्मचारियों का विवरण तलब किया है। इस संबंध में निगम मुख्यालय, गोखले मार्ग, लखनऊ से अधिशासी अभियंता (मानव संसाधन प्रबंधन) की ओर से पत्र जारी कर संबंधित मुख्य अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को आवश्यक सूचना निर्धारित प्रारूप में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।जारी पत्र के अनुसार, निगम के अंतर्गत कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों और तकनीशियनों में से निलंबित कार्मिकों की जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को अपने कार्यालय के साथ-साथ क्षेत्राधीन कार्यालयों में कार्यरत निलंबित कर्मचारियों का ब्यौरा उपलब्ध कराना होगा।निगम द्वारा मांगी गई सूचना में निलंबित कार्मिक का नाम, पदनाम, सैप आईडी तथा संबंधित कार्यालय का नाम शामिल करने को कहा गया है।

बंथरा में दर्दनाक सड़क हादसा : अज्ञात बाइक की टक्कर से दो युवकों की मौत, परिवारों में मचा कोहराम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के बंथरा क्षेत्र में रविवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। अज्ञात मोटरसाइकिल की टक्कर के बाद दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें पुलिस ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।पुलिस के अनुसार, 24 मई 2026 की रात करीब 10 बजे थाना बंथरा क्षेत्र के बंथरा बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास बाइक से जा रहे दीपांशु (19) पुत्र वीरेंद्र निवासी लाला खेड़ा रामचौरा थाना बंथरा तथा कमल (20) पुत्र रमेश निवासी गौरी थाना सरोजनीनगर की बाइक को एक अज्ञात मोटरसाइकिल ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर भेजा गया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दीपांशु और कमल को मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने बताया कि मृतकों के परिजन मौके पर मौजूद हैं तथा शवों का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई की जा रही है। हादसे को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और अन्य माध्यमों से भी वाहन की तलाश की जा रही है।पुलिस का कहना है कि परिजनों से तहरीर मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

○ संक्षेप ○

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के विमान में आई तकनीकी खराबी, निकला धुआं ; कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी विमान में सोमवार को तकनीकी खराबी आने से मुरादाबाद एयरपोर्ट पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, विमान रनवे पर था तभी अचानक उसके एक इंजन ने काम करना बंद कर दिया। उसमें से धुआं निकलने लगा। उस समय प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक विमान में मौजूद थे। घटना के तुरंत बाद एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। एहतियात के तौर पर विमान को रनवे पर ही रोक दिया गया और उपमुख्यमंत्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तकनीकी टीम ने विमान की जांच शुरू कर दी है। खराबी के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा दी गई। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी यात्री एवं अधिकारी सुरक्षित हैं। अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर प्रदेश के दोनों उप मुख्यमंत्री की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसकी वजह से वह परेशान हुए। कोलकाता जाने वाली फ्लाइट उड़ान भरने से पहले ही आई तकनीकी खराबी की वजह से एक घंटे लेट हुई। तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट को एप्रन तक वापस लाया गया। इसके बाद जब इंजीनियरों ने ठीक किया तब जाकर फ्लाइट रवाना हो सकी। फ्लाइट में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक दोनों सवार थे।

राजधानी में पेट्रोल 100 रुपये के पार, एक सप्ताह में चौथी बार दाम बढ़े

लखनऊ। बीते 10 दिन के अंदर चौथी बार पेट्रोल-डीजल की कीमतें एक बार फिर से बढ़ी हैं। राजधानी में पेट्रोल के दाम में 2.61 और डीजल में 2.72 रुपये का इजाफा हुआ है। जिले में इस मूल्यवृद्धि के बाद पेट्रोल की नई कीमत 101.89 और डीजल की 95.36 रुपये पहुंच गई है। एक्स्ट्रा प्रीमियम पेट्रोल 110 रुपये प्रति लीटर हो गया है। 10 दिन के अंदर पेट्रोल में 7.20 रुपये तो डीजल में 7.55 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। बीते चार वर्ष में 10 दिन के अंदर पेट्रोल-डीजल के मूल्य में यह अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। लगातार बढ़ती कीमतों से तेल कंपनियों से पेट्रोल पंप मालिक (डीलर) खफा हैं। दरअसल 2017 के बाद से उनका कमीशन नहीं बढ़ा है। लखनऊ पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप सिंह और महासचिव आलोक त्रिवेदी ने सरकार से पेट्रोलियम डीलर्स का कमीशन बढ़ाने की मांग की है। आलोक त्रिवेदी ने बताया कि 2017 के बाद से हमारा कमीशन नहीं बढ़ाया गया है जबकि महंगाई बढ़ती जा रही है। सरकारी कर्मचारियों की तनख्वाह और पेंशन सभी में बढ़ोतरी होती रहती है। हमारे सामने व्यवसाय चलाने का संकट उत्पन्न हो गया है। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने से हमें अधिक पूंजी लगानी पड़ रही है। एडवांस पेमेंट की बाध्यता और इनपुट लागत बढ़ने से पूंजी फंस रही है। कमीशन बढ़ाने के लिए एसोसिएशन ने कई बार मांग की लेकिन हर बार मांगों को अनसुना कर दिया गया।

नौतपा की तपिश के बीच मौसम विभाग का बड़ा अपडेट, 8 से 10 डिग्री गिरेगा पारा

लखनऊ। प्रदेशभर में नौतपा की भीषण तपिश और लू से बेहाल लोगों को दो दिन बाद राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार 28 मई से एक नए विक्षोभ के असर से उत्तर प्रदेश में मौसम करवट लेगा और कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने के संकेत है। 29 मई तक तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना जताई गई है। बारिश के बाद प्रदेशवासियों को लू और प्रचंड गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 28 मई से पश्चिमी विक्षोभ और पुरवा हवाओं के मिलन से मौसम बदलने लगेगा। तेज हवाओं, आंधी और हल्की से मध्यम बारिश का दौर शुरू होगा। 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली झोंकेदार के साथ गरज चमक के आसार हैं। उन्होंने बताया कि फिलहाल प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं होने के कारण तेज धूप, शुष्क मौसम और गर्म पछुवा हवाओं से हालात बेहद गर्म बने हुए हैं।

अश्वमेध धर्म ध्वजा यात्रा से सनातन एकता और राष्ट्र चेतना का संदेश: विजयदशमी से शुरू होगी 11,800 किमी की यात्रा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के होटल आरिफ कैसल में सोमवार को अश्वमेध धर्म ध्वजा यात्रा के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें संतों, श्रद्धालुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। आयोजकों ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य धार्मिक जागृति, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्र निर्माण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा को सनातन संस्कृति, युवा चेतना और राष्ट्रीय एकात्मता के व्यापक अभियान के रूप में प्रस्तुत किया गया।प्रेस वार्ता में शिवाश्री ऋतु ने कहा कि इस दिव्य यात्रा का हिस्सा बनना उनके लिए भगवान शिव का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की विजय में महादेव का विशेष आशीर्वाद रहा है, इसलिए यह यात्रा हरिहर स्वरूप

बनकर सनातन एकता का संदेश दे रही है। उनके अनुसार, यह अभियान समाज में आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने के साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करेगा।राम मंदिर आंदोलन से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए अमरजीत मिश्रा ने कहा कि उनका सम्पूर्ण जीवन प्रभु श्रीराम को समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के संघर्षों की यादें आज भी उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और यह यात्रा उनके लिए केवल एक धार्मिक अभियान नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी और कर्तव्य का प्रतीक है।वेद प्रकाश ने बताया कि यह उनका पहला राष्ट्रीय आध्यात्मिक अभियान है, जिसके माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और धार्मिक चेतना का प्रसार हुआ है। उन्होंने कहा कि यात्रा समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करेगी।कार्यक्रम में अयोध्या से पहुंचे संत जन्मेजय शरण और आचार्य डॉ. संतोष विशेष रूप से मौजूद रहे। संतों ने सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों और युवा चेतना को मजबूत बनाने पर जोर दिया। जानकी घाट बड़ा मंदिर रसिक पीठाधीश्वर संत जन्मेजय शरण ने कहा कि सनातन धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि मानव जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को अपने सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।संत जन्मेजय शरण ने बताया कि अश्वमेध धर्म ध्वजा यात्रा का शुभारंभ आगामी 20 अक्टूबर को विजयदशमी के अवसर पर किया जाएगा। यह यात्रा चार चरणों में पूरी होगी और लगभग 11,800 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्रा पैदल, सड़क मार्ग और रेल मार्ग के माध्यम से संपन्न होगी। साथ ही निर्धारित स्थलों पर अश्वमेध धर्म यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा।उन्होंने बताया कि यात्रा का प्रथम चरण दिल्ली से प्रारंभ होकर मथुरा, आगरा, धौलपुर, ग्वालियर, झांसी, उज्जैन, नासिक, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, उदयपुर और जयपुर होते हुए पुणे तक जाएगा तथा पुनः दिल्ली में समाप्त होगा। दूसरा चरण दिल्ली से शुरू होकर बीकानेर, पटियाला, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, जम्मू, चंडीगढ़, देहरादून, हरिद्वार, मेरठ और गाजियाबाद होते हुए फिर दिल्ली पहुंचेगा।यात्रा का तीसरा चरण दिल्ली से प्रारंभ होकर बरेली, अयोध्या, पटना, कोलकाता, रांची, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, फिरोजाबाद और नोएडा होते हुए पुनः दिल्ली में समाप्त होगा, जबकि चौथा चरण रेल मार्ग से दिल्ली से रामेश्वरम और पुणे होते हुए पुनः दिल्ली तक पूरा किया जाएगा।फिल्म निर्देशक दुष्यंत प्रताप सिंह ने कहा कि इस अभियान ने युवाओं को धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के करीब लाने का कार्य किया है। वहीं, चक्रवर्तुला रमणाचा ने कहा कि उनका परिवार पीढ़ियों से धर्म सेवा से जुड़ा रहा है और यह यात्रा उनके लिए आध्यात्मिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। थाईलैंड से विनोद हांडा ने शुभकामनाएं भेजते हुए कहा कि यह महाअभियान वैश्विक स्तर पर सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।आचार्य डॉ. संतोष ने श्रद्धालुओं और युवाओं से धर्म और संस्कृति के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि प्रभु श्रीराम त्याग, सेवा और मर्यादा के प्रतीक हैं तथा युवाओं को उनके आदर्शों से जोड़ना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। "सत्यं वद, धर्मं चर", "वसुधैव कुटुम्बकम्", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल "हिंदू विरोध" बनाम "राजनीतिक विरोध" के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा।

क्या राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2029 में मुकाबला करेंगे

अजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी के पास अभी 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में सरकार है जबकि तमिलनाडु में इंडिया ब्लॉक, तेलंगाना, कर्नाटक,केरल में कांग्रेस सरकार है।

हाल ही तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा 2029 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी विपक्ष के गठबन्धन के नेता होंगे। हालांकि अभी से 2029 के लोकसभा चुनाव पर टिप्पणी करना बहुत जल्द बाजी होगी क्योंकि अभी दो वर्ष भी पूरे नहीं हुए हैं। लेकिन लगता है कि लोकसभा से अलग राज्यों के चुनावों को समय समय पर आए परिणामों से कुछ हद तक पड़ा जा सकता है। अभी लोकसभा चुनाव के बाद दिल्ली हरियाणा, असम उड़ीसा, बिहार, झारखंड, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल, केरल पांडिचेरी, त्रिपुरा , सिक्किम,तमिलनाडू, तेलंगाना,के चुनाव होगया और इस 2027 में उत्तर प्रदेश, पंजाब गुजरात,गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड,में होने है ।2028 में मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक,छत्तीसगढ़,के चुनाव होंगे , ओडिशा, आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनाव लोकसभा के साथ होंगे। नागालैंड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश,भी 28 में चुनाव संभावित है।

भारतीय जनता पार्टी के पास अभी 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में सरकार है जबकि तमिलनाडु में इंडिया ब्लॉक, तेलंगाना, कर्नाटक,केरल में कांग्रेस सरकार है।

राजनीतिक दृष्टि से देखे तो हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिमी बंगाल,में भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में पिछड़ने के बाद विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल किया है। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात, कर्नाटक चुनाव महत्व पूर्ण होगे। अगर भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में वापिसी करती है तो 2029 फतह करने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

कांग्रेस के लिए 2029 का चुनाव महत्वपूर्ण है क्योंकि अभी लोकसभा में विपक्ष की 230 सीट है जिसमें कांग्रेस की 100

और तृणमूल कांग्रेस की 29 , सपा 38,डीएमके 37,एनसीपी,शिव सेना, नेशनल कॉन्फ्रेंस की 04 ,राजद, और बहुत दल शामिल हैं।

टीवी रिपोर्टर और चुनाव विशेषज्ञ यशवंत देशमुख, मिलिंद खांडेकर, राजीव रंजन, आशुतोष, शाजिया इल्मी, जयंत घोषाल का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी अब 240 से बहुत आगे निकल चुकी है।उसे आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार,40 , महाराष्ट्र 48, उत्तर प्रदेश 80, पश्चिमी बंगाल 42, हरियाणा 10, की कुल 220 सीट में से 80 फीसदी सीट मिल सकती है। मप्र,29 राजस्थान 25, दिल्ली,07 छत्तीसगढ़,11 ओडिशा 20, हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड 09

की कुल 91 सीट में से नब्बे फीसदी सीट मिल सकती है।

असम 13, अरुणाचल प्रदेश 02, त्रिपुरा 04, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड की एक एक कुल मिलाकर 22 में कम से कम 18 लोकसभा सीट मिल सकती है। कुलमिलाकर अनुमान है कि 320 सीट बीजेपी जीत सकती है जबकि एनडीए 350 तक जा सकता है।

दक्षिण भारत में तेलंगाना मिला कर 35 सीट मिल सकती है

दक्षिण भारत में केरल 20, तमिलनाडु में 39, आंध्र प्रदेश 22

तेलंगाना 17, कर्नाटक में 28 कुलमिलाकर 126 सीट है यहां पर कांग्रेस को विजय की पार्टी के साथ 75 सीट मिल सकती है।

विपक्ष का जो भी गठबन्धन बने नेता राहुल गांधी ही होंगे क्योंकि बंगाल से ममता बनर्जी की हार से राहुल गांधी के लिए विपक्ष के नेता बनने का रास्ता साफ हो गया है क्योंकि विजय,डीएमके के स्टालिन, राजेडी तेजस्वी यादव, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, उनके नाम पर सहमत हो सकते हैं। केवल अरविंद केजरीवाल, सपा नेता अखिलेश स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि पंजाब में आप का मुकाबला कांग्रेस के साथ है और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी का मुकाबला बीजेपी से लेकिन कांग्रेस भी तम्मन्ना रखती है कि एक दर्जन सांसद हो उत्तर प्रदेश से । लेकिन अगर विधानसभा चुनाव में सपा कांग्रेस का समझौता नहीं हुआ तो कांग्रेस को उत्तर प्रदेश से कुछ नहीं मिल सकता है।यह सही है कि राहुल गांधी के अलावा कोई विशेष नेता विपक्ष के पास नहीं है। हां अब ममता बनर्जी खाली है और उन्होंने कहा भी है कि अब वे इंडी एलायंस का हिस्सा है लेकिन राहुल गांधी उनको अब भाव नहीं देंगे क्योंकि जब वे बंगाल में सत्ता में थी तब राहुल गांधी को भाव नहीं देती थीं।उनकी बजह से ही नीतीश कुमार एनडीए में बापिस हुए।क्योंकि उन्होंने नीतीश को इंडी एलायंस का कन्वीनर मानने से इनकार कर दिया था। ममता बनर्जी को कोई भाव नहीं दे रहा है केवल समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव रस्सी का सांप बनाना चाहते हैं।

सीपीई, सीपीएम,लेफ्ट पार्टियों का कोई बाजूद नहीं रहा है।

लोकसभा चुनाव में एक दहाई में समित जायेंगे।

टिप्पणी

नीतिगत बहसें हाशिये पर चली गई

पहले चुनाव बिल्कुल दोषमुक्त होते थे ऐसा नहीं कहा जा सकता। लेकिन तब उन्हें ऐसे युद्ध की तरह भी नहीं लड़ा जाता था, जिसमें विरोधी को समूल नष्ट कर देने की भावना हो।

कभी चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव समझा जाता था। तब चुनाव बिल्कुल दोषमुक्त थे या वे पूरी तरह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से आयोजित होते थे, ऐसा नहीं कहा जा सकता। लेकिन तब उन्हें ऐसे युद्ध की तरह भी नहीं लड़ा जाता था, जिसमें विरोधी को समूल नष्ट कर देने की भावना हो। अब ऐसा ही नजारा खास कर वैसे राज्य में देखने को मिलता है, जहां कोई गैर-भाजपा दल अब तक मजबूती से खड़ा रहा हो। पश्चिम बंगाल में इस बार विधानसभा चुनाव कुछ ऐसे ही माहौल में संपन्न हुआ।

एसआईआर प्रक्रिया सहित अन्य मामलों में निर्वाचन आयोग की विवादित भूमिका से लेकर अर्धसैनिक बलों द्वारा घेराबंदी और केंद्रीय जांच एजेंसियों की एकतरफा जैसी दिखने वाली कार्रवाइयों के निशाने पर ममता बनर्जी रहीं। भाजपा नेतृत्व ने अब अपनी पहुंच से बाहर रहे इस किले को जीत लेने की व्यूह-रचना में किसी राजनीतिक मान-मर्यादा का ख्याल नहीं रखा। ये कहने का अर्थ कतई यह नहीं है कि ममता बनर्जी नैतिक या मर्यादित राजनीति करती हैं। उनकी सियासत में भी बाहुबल और तोड़-जोड़ का उतना ही पुट रहा है। उनकी सफलता में ऐसे रुझानों का योगदान है।

बहरहाल, यही ध्यान देने की बात है। अब चुनावों में ऐसी प्रवृत्तियां ही निर्णायक महत्त्व की हो गई हैं। इसका शिकार विकास और राष्ट्र-निर्माण से संबंधित मुद्दे बने हैं। नीतिगत बहसें हाशिये पर चली गई हैं। जन-कल्याण के नाम पर अधिक से अधिक यही नजर आता है कि तमाम पार्टियां बैंक खातों में नकदी डालने के वादे बढ़-चढ़ कर करती हैं। उन्हें उससे भी ज्यादा भरोसा जाति-धर्म जैसे बांटने वाले मुद्दों पर लोगों को गोलबंद करने की रणनीति पर रहता है। ऐसे संकेत हैं कि इस बार केरल के विधानसभा चुनाव में भी ऐसे पहचान-गत मुद्दे प्रमुख हो गए। यानी जिस राज्य की राजनीतिक चर्चा के केंद्र में शिक्षा और स्वास्थ्य, और विकास संबंधी योजनाएं रहती थीं, वहां भी अगड़े- पिछड़े, हिंदू- मुस्लिम- ईसाई जैसी अस्मिताओं पर ध्रुवीकरण के संकेत मिले। ऐसे में उत्सव जैसे माहौल का गायब हो जाना लाजिमी ही है। उलटे अब हर चुनाव एक तरह का जख्म छोड़ कर जाने लगा है!

ब्लॉग

नवा रायपुर अटल नगर: विकास, निवेश और आधुनिक भारत का उभरता स्मार्ट शहर

सुनील कुमार त्रिपाठी

छत्तीसगढ़ की आधुनिक और योजनाबद्ध राजधानी नवा रायपुर अटल नगर आज देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे स्मार्ट शहरों में शामिल है। सुव्यवस्थित अधोसंरचना, हरित विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आईटी, पर्यटन और महिला सशक्तिकरण जैसे विविध क्षेत्रों में हुई उल्लेखनीय प्रगति ने नवा रायपुर को भविष्य के भारत का आदर्श शहरी मॉडल बना दिया है। यह केवल प्रशासनिक राजधानी नहीं, बल्कि निवेश, नवाचार और समावेशी विकास का उभरता हुआ केंद्र है।

नवा रायपुर अटल नगर में 52 एमएलडी क्षमता की पाइपलाइन और अत्याधुनिक जल शोधन संयंत्र के माध्यम से पूरे शहर में दीर्घकालिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इससे वर्तमान आबादी के साथ-साथ नए विकसित हो रहे सेक्टरों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति हो सकेगी।

वर्षाजल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए 10.66 किलोमीटर लंबी बायोस्वेल्स, रिचार्ज पिट्स और प्राकृतिक जल निकासी तंत्र विकसित किए गए हैं। इन पहलों ने न केवल जल संरक्षण को मजबूत किया है, बल्कि शहर के पर्यावरणीय संतुलन को भी सुदृढ़ किया है। रायपुर-राजिम रेल सेवा का नवा रायपुर के सीबीडी स्टेशन तक विस्तार शहर की कनेक्टिविटी को नई गति प्रदान कर रहा है।

महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए पिंक ई-रिक्शा सेवा शुरू की गई है। साथ ही, ई-बस संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है और सेवा प्रारंभ होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। यह पहल हरित और टिकाऊ शहरी परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

शिक्षा के क्षेत्र में विकसित हो रहा एडूसिटी

नवा रायपुर के 13 सहकारी विद्यालयों का उन्नयन किया गया है और दो उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित किया गया है।

लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में एडूसिटी का विकास किया जा रहा है, जहाँ राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों जैसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और नेशनल फोरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी, नरसी मोंजी को भूमि आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त सेक्टर-7 में 17 एकड़ भूमि पर आवासीय विद्यालय की स्थापना प्रस्तावित है।

मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगभग 500 एकड़ क्षेत्र में विश्वस्तरीय मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यहाँ सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, धर्मशाला, होटल और आवासीय सुविधाएँ विकसित की जाएँगी।

इस परियोजना के तहत बॉम्बे अस्पताल को 300 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है। साथ ही, लगभग 50 एकड़ भूमि पर आवासीय विकास हेतु निजी निवेशकों को भूखंड आवंटित किए गए हैं, जिनमें लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना है।

कार्यरत महिलाओं के लिए 1,000 क्षमता वाले वर्किंग वुमन हॉस्टल का निर्माण 109 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। यह परियोजना महिला सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी।

इसके अतिरिक्त, प्रवासी श्रमिकों के लिए 1,100 क्षमता वाला सर्वसुविधायुक्त श्रमिक आवास भवन 40 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है।

नवा रायपुर में 77 एकड़ भूमि पर सेवाग्राम तथा सेक्टर-39 में आर्ट ऑफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन को 40 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहाँ सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के बड़े केंद्र विकसित हो रहे हैं।

सेक्टर-4 और 10 में लगभग 120 एकड़ क्षेत्र में निजी निवेश के माध्यम से कन्वेंशन सेंटर कम स्पोर्ट्स सिटी विकसित की जा रही है। लगभग 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना में विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर और टेनिस, तैराकी, कुश्ती, तीरंदाजी तथा स्क्वैश जैसी खेल सुविधाएँ शामिल होंगी।

नवा रायपुर में राज्य का पहला एसईजेड आधारित एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 4,000 करोड़ रुपये का निजी निवेश अपेक्षित है।

यहाँ भारत का पहला जीएएन तकनीक आधारित सेमीकंडक्टर प्लांट स्थापित करने के लिए भी भूमि आवंटित की गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक कॉमन फैसिलिटी सेंटर हेतु भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त हुई है, जहाँ पीसीबी प्रोटोटाइपिंग, 3डी प्रिंटिंग और ईएमसी टेस्टिंग जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

सीबीडी क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आईटी कंपनियों को सुसज्जित कार्यालय स्थान उपलब्ध कराए गए हैं। वर्तमान में लगभग 1,000 युवा कार्यरत हैं और 2,000 अतिरिक्त रोजगार सृजन की संभावना है।

'पीपल फॉर पीपल' अभियान के अंतर्गत 1 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं, जिससे शहर के 26 प्रतिशत हरित क्षेत्र को संरक्षित और विस्तारित करने में मदद मिली है।

बायोस्वेल्स, रिचार्ज सिस्टम और हरित कॉरिडोर जैसे उपाय नवा रायपुर को पर्यावरण-अनुकूल और जल-संवेदनशील शहर के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण आने वाले वर्षों में शहर को और अधिक आधुनिक एवं निवेश-आकर्षक बनाने हेतु कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है:

सेरीखेड़ी और मंदिरहसौद क्षेत्र में लगभग 1,100 एकड़ पर 800 करोड़ रुपये की लागत से अधोसंरचना विकास।

राज्य राजधानी क्षेत्र के एकीकृत विकास हेतु विशेष प्राधिकरण गठन।

500 एकड़ में मेडिसिटी और 200 एकड़ में एडूसिटी का विस्तार।

नवा रायपुर को आईटी, आईटीईएस और एआई हब के रूप में स्थापित करना।

वार्षिक पूंजीगत व्यय क्षमता को 1,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना।

वेलनेस सेंटर, वेडिंग डेस्टिनेशन, एमआईसीई कैपिटल और पर्यटन परियोजनाओं में निजी निवेश को प्रोत्साहन।

प्रभावित ग्राम पंचायतों में ग्राम विकास योजना के आधार पर आधुनिक अधोसंरचना विकास।

इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का तकनीकी उन्नयन।

सार्वजनिक परिवहन को सुदृढ़ करने हेतु 40 नई ई-बसों का संचालन।

नवा रायपुर अटल नगर आज योजनाबद्ध विकास, आधुनिक सुविधाओं और सतत शहरीकरण का सशक्त उदाहरण बन चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और हरित विकास के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति इसे न केवल छत्तीसगढ़ की नई पहचान बना रही है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरक मॉडल के रूप में स्थापित कर रही है।

आने वाले वर्षों में नवा रायपुर अटल नगर निश्चित ही भारत के सबसे आधुनिक, निवेश-अनुकूल और जीवन गुणवत्ता से परिपूर्ण शहरों में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

लेखक सहायक संचालक हैं

यूपी में एक और पति का कत्ल: करंट के झटके दिए, पिलाया जहर, हफ्तेभर पहले ही तय कर लिया था, पवन की हत्या करनी है

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में अफेयर में एक और पति की बलि दी गई है। मुरादाबाद से रोंगटे खड़े करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी और अपनी बहन के साथ मिलकर पति को मार डाला। आरोपियों ने पहले उसे करंट लगाया था, इसके बाद उसे जहर दे दिया। आरोपियों ने क्रूरता से उसे मौत दी।

दरअसल, मृतक पवन कुमार ठाकुर को मारने के लिए पत्नी आंचल ने बहन शिखा के साथ मिलकर एक सप्ताह पहले साजिश रच ली थी। शनिवार का दिन तय कर दोनों बहनों ने अपने प्रेमियों को पहले ही बुला लिया था। शाम को घर में घुसते ही पवन को बंधक बनाकर डंडों के पीटा।

करंट के झटके दिए और बाद में जबरन जहर पिला दिया। बेसुध होने पर उसे सीढ़ी के नीचे धक्का दे दिया। ताकि घटना को हादसे का रूप दिया जा सके। पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी पत्नी, साली और दोनों के प्रेमी चंद मिनटों में ही टूट गए। पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

एएसपी अभिनव द्विवेदी के अनुसार चौधरी चरण सिंह चौक के पास हाइडिल कॉलोनी में रहने वाले मैनाठेर के गांव बघी गोवर्धनपुर निवासी देवेंद्र सिंह ने शनिवार देर रात अपने छोटे भाई पवन ठाकुर की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया कि पवन की पत्नी आंचल, उसकी बहन शिखा, पत्नी का प्रेमी अंकित और शिखा के प्रेमी अजय दिवाकर ने घटना को अंजाम दिया है।

बताया कि पवन की पत्नी आंचल गांव बघी गोवर्धनपुर निवासी उसके तहेरे जेठ के बेटे अंकित से प्यार करती थी। जानकारी मिलने पर पवन ने विरोध किया। भाई ने आरोप लगाया कि अवैध संबंध में बाधक बनने और संपत्ति पर कब्जा करने के लिए आंचल ने अपने प्रेमी अंकित, बहन शिखा और उसके प्रेमी अजय दिवाकर के साथ मिलकर साजिश के तहत पवन के साथ मारपीट की।

करंट के झटके दिए और जहर देकर सीढ़ियों से धकेल दिया। एएसपी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज करने के बाद थाना प्रभारी मझोला रविंद्र कुमार और अपराध निरीक्षक मुजम्मिल खां ने पवन की हत्यारोपी पत्नी आंचल, मैनाठेर के गांव बघी गोवर्धनपुर निवासी उसके प्रेमी अंकित, उसकी बहन शिखा और शिखा के प्रेमी मझोला के जयंतीपुर निवासी अजय दिवाकर को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने हत्या करने की बात स्वीकार की है। बताया कि हत्या के बाद जहर इसलिए दिया कि पवन की मौत को आत्महत्या का रूप दिया सके। पूछताछ के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने चारों को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया।

दोनों बहनों ने अपने प्रेमियों संग बनाई हत्या की योजना

करीब छह माह पहले पवन को इसकी जानकारी हो गई थी। पवन ने दोनों के साथ मारपीट भी की थी लेकिन आंचल और अंकित ने मिलना जुलना बंद नहीं किया। शुक्रवार को आंचल ने प्रेमी अंकित, अपनी बहन शिखा और उसके प्रेमी जयंतीपुर निवासी अजय दिवाकर के साथ मिलकर पवन की हत्या की योजना बना ली थी।

छह दिन पहले शिखा को बुला लिया था आंचल ने

पवन के भाई देवेंद्र ठाकुर ने बताया कि घटना को अंजाम देने के लिए आंचल ने छह दिन पहले अपनी बहन को बुला लिया था। दोनों ने अपने प्रेमियों अंकित और अजय दिवाकर को घटना से पहले घर में बुलाया था।

शनिवार की शाम करीब छह बजे पवन घर में आया। इसके बाद हमलावरों ने साजिश के तहत घटना को अंजाम दिया। पुलिस का मानना है कि पत्नी ने एक सप्ताह पहले घटना को अंजाम देने की योजना बनाई थी।

पत्नी की दस बीघा जमीन और मकान पर थी नजर

घटना के शिकार पवन ठाकुर की गांव में दस बीघा जमीन और मकान मौजूद था। बड़े भाई का कहना है कि पत्नी की नजर जमीन और मकान पर थी। वह पति की हत्या कर प्रेमी के साथ संपत्ति पर राज करना चाहती थी। इसी कारण उसने प्रेमी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया।

यह था पूरा मामला

मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के कुंदनपुर में शनिवार की रात फर्मकर्मी पवन कुमार ठाकुर (30) को उसकी पत्नी आंचल और साली शिखा ने घर में ही बंधक बना लिया। इसके बाद दोनों बहनों ने अपने अपने प्रेमी बुला लिए और पवन को बिजली का करंट लगाया और बाद में जबरन जहर खिलाकर मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं हत्यारोपियों ने पवन द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात कहकर परिजन बुला लिए। शनिवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में करंट लगाने की पुष्टि हुई तो हत्याकांड का खुलासा हुआ। पुलिस ने दोनों बहनों और उसके प्रेमियों को हिरासत में ले लिया है।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मैनाठेर के बगी गोधनपुर निवासी पवन कुमार ठाकुर मझोला थाना क्षेत्र में कुंदनपुर में कृषि विभाग कार्यालय के पास रहता था। पवन फर्म में काम करता था। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी छह साल पहले संभल जिले के हजरतनगर गढ़ी के बटौवा गांव निवासी आंचल के साथ हुई थी। दंपती की दो वर्षीय बेटी दिव्यांशी है। पवन पत्नी आंचल और बेटी दिव्यांशी के साथ रहता था। शनिवार की सुबह आंचल ने पवन की बहन अनीता और बबीता को कॉल की और बताया कि पवन ने कुछ खा लिया है। वह बोल नहीं रहे हैं।

डॉक्टरों ने पवन को घोषित किया मृत

इसकी जानकारी मिलने पर दोनों बहनें ओर अन्य परिजन भी आ गए। इसकी जानकारी मिलने पर चौधरी चरण सिंह चौक के पास रहने वाले पवन के भाई एवं बिजली विभाग में लाइनमैन देवेंद्र कुमार भी आ गए। वह पवन को अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने पवन को मृत घोषित कर दिया। पवन की बहनों और पुलिस ने आंचल से जानकारी की तो वह जवाब देने से बचती नजर आती रही । इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शनिवार की शाम आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पवन की मौत जहर के सेवन से आई लेकिन उसके शरीर पर जगह जगह बिजली का करंट लगाए जाने की पुष्टि हुई।

पति के तहेरे भाई के बेटे से अफेयर

इसके बाद पुलिस ने आंचल को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की तो उसने शुरुआत में पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन जब कड़ाई से पूछताछ की तो उसने सच्चाई उगल दी। उसने पुलिस को बताया कि करीब दो साल से उसका पवन के तहेरे भाई के बेटे अंकित से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

चौकी के पास पीटते रहे हमलावर, नहीं बढ़े मदद को हाथ, ना पुलिस आई और ना ही लोग

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के नौबस्ता में बाइक भिड़ंत के बाद पिता-पुत्र की चाकू मार कर हत्या के मामले में पुलिस की सुरक्षा, गश्त और लोगों की संवेदनशीलता पर सवाल उठे हैं। रविवार शाम को जिस जगह पर आरोपियों ने पिता पुत्रों को बेरहमी से मारा वह स्थान विराटनगर पुलिस चौकी के पास है। वहीं, पास में ही यशोदानगर चौराहे पर पिकेट लगती है। हालांकि, वारदात के वक्त जब पिता-पुत्रों को मदद की जरूरत थी तब न तो पुलिस काम आई और न लोग। वारदात में घायल सत्यम ने बताया कि उनकी बाइक में टक्कर लगने पर उन्होंने विरोध किया तो आरोपी भड़क गए। हाथ में लिए हेलमेट से उन लोगों पर एक के बाद एक वार करने लगे। उन लोगों ने पिता पर हमला किया तो दोनों भाई लोगों से मदद की गुहार लगाते हुए आरोपियों से भिड़ गए। इसके बाद भी कोई मदद को आगे नहीं आया जबकि आरोपी उन सभी को बेरहमी से पीटते रहे। इस बीच आरोपियों ने चाकू निकालकर उन लोगों पर हमला बोल दिया। जब तक वह कुछ समझ पाते आरोपी पीठ, सीने हाथ पर ताबड़तोड वार कर चुके थे। इस वारदात के चलते शरीर से तेजी से खून बहने लगा। आंखों के सामने बेहोशी सी छाती जा रही थी और आरोपी ताबड़तोड वार कर रहे थे। इस बीच पिता और भाई के शरीर पर भी कई वार होने से वह बेदम हो गए। हालांकि तब तक कोई मदद को नहीं आया। बाद में कुछ लोगों ने एक को पकड़ लिया। पुलिस को सूचना दी। वहीं, क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, पास में पुलिस चौकी होने के बावजूद घटना स्थल पर पुलिस कर्मी काफी देर से पहुंचे। मौके से एक युवक को पकड़ कर पुलिस को सौंपा गया है।

परिजन बोले... हत्यारोपियों को भी ऐसी ही मौत मिले

शिवनारायण की पत्नी सुधा त्रिवेदी ने कहा कि जैसे हमारे पति और बेटे को मारा गया है। वैसे ही हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए, तभी हमारे कलेजे को ठंडक मिलेगी। परिवार के अन्य लोगों ने भी चीख-चीखकर कहा कि फरार दोनों हत्यारों को पुलिस जल्द गिरफ्तार करे उन्हें किसी भी हाल में छोड़ा न जाए।

साथी कर्मी ने मचाया मदद को शोर

पीड़ितों के साथ मार्बल दुकान में काम करने वाले सचिन सविता ने बताया कि ड्यूटी खत्म करके वह घर लौट रहे थे, तभी देखा कि वृंदावन लॉन के पास शिवनारायण और उनके बेटों शिवम और सत्यम को कुछ लोग हेलमेट से पीट रहे हैं। जब तक पास पहुंचते आरोपियों ने तीनों पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। उनके चीख चीखकर शोर मचाने पर कुछ लोगों ने हिम्मत जुटाकर एक आरोपी को दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया।

करन, उत्सव फरार, पांच टीमें तलाश में लगी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि पिता और बेटे की हत्या करने में श्यामनगर के शिवा वर्मा, नौबस्ता निवासी करन वर्मा और उत्सव अवस्थी शामिल हैं। जिनमें से शिवा को लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। वहीं, दोनों अन्य हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें तलाश में लगी हैं। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि आरोपियों की तलाश के लिए क्राइम ब्रांच, सर्विलांस और पांच टीमों को लगाया गया है।

कानपुर में डबल मर्डर

कानपुर के नौबस्ता में विराटनगर पुलिस चौकी से महज 200 मीटर दूर और यशोदानगर चौराहे पर पुलिस पिकेट पॉइंट की मुस्तैदी के बावजूद दबंगों ने खूनी खेल खेला। रविवार रात बाइकों की भिड़ंत के विवाद में सरेराह पिता और छोटे बेटे की तीन युवकों ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी। इस हमले में बड़ा बेटा भी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुस्साहसिक वारदात के बाद भीड़ ने एक आरोपी को पीटकर पुलिस के हवाले कर दिया। उसके दो साथी मौके से भाग गए। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने हैलट पहुंचकर घायल युवक और उसकी मां से पूछताछ की।

चकेरी मोड़ पर रामनगर स्थित नई प्लाटिंग निवासी शिवनारायण त्रिवेदी (60) बेटे शिवम (26) और सत्यम (30) के साथ किदवईनगर मार्बल मार्केट में कनक मार्बल में काम करते थे। रविवार रात तीनों काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। यशोदानगर में वृंदावन लॉन के पास उनकी बाइक बगल से गुजर रही दूसरी बाइक से भिड़ गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस पर दोनों पक्षों में कहासुनी होने लगी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि दूसरी बाइक पर सवार तीन युवकों ने पिता-पुत्रों पर पहले हेलमेट से सिर और चेहरे पर ताबड़तोड़ कई वार किए। इसके बाद चाकू निकालकर पिता-पुत्र को लहुलूहान कर दिया। चाकू लगने से शिवनारायण और शिवम गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क पर गिरा सत्यम भी तड़प रहा था। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों को हैलट लेकर पहुंची, जहां डॉक्टर ने शिवनारायण और छोटे पुत्र शिवम को मृत घोषित कर दिया। सत्यम का इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

वारदात की जानकारी पर घर में शिवनारायण की पत्नी सुधा बेहोश हो गईं। भीड़ ने मौके से एक आरोपी शिवा वर्मा निवासी कानपुर देहात को पकड़ा। वह श्यामनगर में रहकर ऑनलाइन प्लेटफार्म में डिलीवरी बॉय का काम करता है। दो अन्य आरोपी नौबस्ता निवासी करन वर्मा, उत्सव अवस्थी की तलाश की जा रही है। पुलिस जांच में पता चला है कि करन ने ही चाकू से हमला किया है।

गंगा दशहरा पर स्नानार्थियों के लिए प्रशासन ने जारी किए सुरक्षा निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लंभुआ/सुलतानपुर। गंगा दशहरा पर्व को लेकर लंभुआ तहसील प्रशासन ने गोमती नदी के धोपाप घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुरक्षा निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से केवल बैरिकेडिंग वाले सुरक्षित क्षेत्रों में ही स्नान करने की अपील की है। बच्चों और बुजुर्गों को गहरे पानी से दूर रखने तथा समूह में स्नान करने की सलाह दी गई है।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि नशे की हालत में नदी में उतरना, गहरे पानी में जाना और सेल्फी लेने के दौरान लापरवाही करना दुर्घटना का कारण बन सकता है। घाटों पर ैक्स्थ, गोताखोर, ाब और स्थानीय पुलिस बल तैनात रहेंगे। मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और कंट्रोल रूम भी 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालु 112 और 1077 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

मामला धनपतगंज, कूरेभार, कुड़वार और दुबेपुर ब्लॉक क्षेत्रों से जुड़ा बताया जा रहा है, जहां हजारों गड्ढे केवल कागजों पर खोदे जाने के आरोप लगे हैं। शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर जांच शुरू हुई थी। सबसे बड़ा सवाल जांच टीम को लेकर उठ रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच में शामिल कुछ बीट प्रभारियों पर स्वयं आरोप हैं, ऐसे में जांच की निष्पक्षता संदिग्ध हो गई है। सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच में कई शिकायतों की पुष्टि भी हुई है, लेकिन अंतिम रिपोर्ट अब तक अधर में लटकी हुई है। चर्चा यह भी है कि कुछ अधिकारियों पर यह कहकर दबाव बनाया जा रहा है कि ऐसा पूरे प्रदेश में होता है जबकि कुछ कर्मचारी बिना निष्पक्ष जांच के हस्ताक्षर करने से इंकार कर रहे हैं।

शिकायतकर्ता संतराम ने जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह से राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा दोबारा निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि ईमानदारी से जांच हुई तो पूरे घोटाले का पर्दाफाश हो जाएगा और इसमें शामिल अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई के साथ सरकारी धन की रिकवरी भी होनी चाहिए। अब जनपद में यह चर्चा तेज है कि क्या करोड़ों रुपये के इस कथित घोटाले में दोषियों पर कार्रवाई होगी या मामला फाइलों में ही दबकर रह जाएगा। जनता को जिलाधिकारी से निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की उम्मीद है।

पेड़ से लटके मिले युवक-युवती के शव, इलाके में सनसनी

बाराबंकी। सतरिख थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गेहेंदवर गांव से लगभग 500 मीटर दूर खेत में लगे चिलवल के पेड़ पर प्रेमी युगल के शव अलग-अलग डालियों पर फंदे से लटके मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। रविवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही सतरिख थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मौजूदगी में दोनों शवों को नीचे उतरवाकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृत युवक की पहचान गेहेंदवर गांव निवासी रोहित (26 वर्ष) पुत्र श्रीपाल के रूप में हुई है। वहीं मृत युवती की पहचान लोनी कटरा थाना क्षेत्र के ग्राम बुढ़ना निवासी रामदुलारी के रूप में बताई जा रही है।

प्रेम प्रसंग में सगे भाई ने नहीं दिया साथ तो मार दी गोली, पुलिस से कहा– गांव वालों ने की हत्या... फिर कैसे खुली पोल?

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले के फरीदपुर में युवक की हत्या मामले का पुलिस ने हैरान कर देना वाला खुलासा किया है। जिस भाई ने थाने पहुंचकर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में वही अपने सगे भाई का कातिल निकला। आरोपी बीमा क्लेम और करोड़ों की संपत्ति भी हड़पना चाहता था। उसने अपने भाई की हत्या इसलिए की क्योंकि मृतक उसके प्रेम प्रसंग में साथ नहीं दे रहा था। पुलिस ने आरोपी उमेश पाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया तमंचा और दो खोखा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। फरीदपुर के गांव रायपुर हंस निवासी इन्द्रपाल सिंह की 30 अप्रैल की रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया था। मृतक के भाई उमेश पाल सिंह ने गांव के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए फरीदपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मामला गंभीर होने की वजह से पुलिस ने जांच शुरू की। हत्या की जांच और मामले के खुलासे के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई थीं। सर्विलांस टीम, एसओजी, डॉग स्क्वाड और फॉरेंसिक टीम ने अलग-अलग पहलुओं पर जांच की। शुरुआत में पुलिस गांव के उन लोगों पर भी नजर रख रही थी, जिनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, लेकिन जांच आगे बढ़ने पर कई कई नई बातें सामने आई।

क्यों की भाई की हत्या?

पुलिस को कुछ ऐसे सबूत मिले जिससे शक सीधे शिकायतकर्ता उमेश पाल पर जाने लगा। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में पहले तो वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन जब सबूत सामने रखे गए तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसका एक प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस मामले में उसका भाई इन्द्रपाल उसका साथ नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच काफी समय से तनाव बना हुआ था। परिवार और समाज में भी इस बात को लेकर बदनामी हो रही थी। धीरे-धीरे यह विवाद इतना बढ़ गया कि उमेश पाल ने अपने ही भाई की हत्या की साजिश रच डाली।

गांव वालों को फंसाने की थी साजिश

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या करने के बाद उसने खुद को बचाने के लिए गांव के कुछ लोगों को फंसाने की योजना बनाई। इसी वजह से उसने थाने जाकर उन्हीं लोगों के खिलाफ झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी ताकि पुलिस का शक दूसरी तरफ चला जाए। पुलिस के मुताबिक घटना वाली रात उमेश पाल ने अपने भाई को गोली मार दी थी। हत्या के बाद उसने खुद को बेगुनाह दिखाने के लिए रोना-धोना शुरू कर दिया और गांव के लोगों पर आरोप लगाने लगा। पुलिस की जांच और पूछताछ में उसकी पूरी कहानी सामने आ गई।

गोद में 16 वर्षीय बेटे की लाश: चीखती मां और बिलखता पिता, चौपाटी हादसे का VIDEO देख कांप जाएगा कलेजा

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। जिप लाइन हादसे में जान गंवाने वाला कुनाल होनहार था। 11वीं कक्षा में पढ़ता था। उसे स्टंट का भी शौक था। वह जिप लाइन में एडवेंचर का मजा लेने की कई दिन से पिता से जिद कर रहा था। माता-पिता दोनों उसे और दूसरे बेटे मयंक को लेकर आए थे। कुनाल के नीचे गिरते ही मां की चीख निकल गई। पिता बेसुध हो गए।

मां ने बेटे को गोद में उठा लिया। बोलीं, कोई मेरे लाल को बचा लो। वो बस यहां पर खेलने के लिए आया था। दोनों का यह हाल देखकर अन्य लोगों के आंसू निकल आए। मयंक कक्षा 9 का छात्र है। दोनों ने यूट्यूब पर चौपाटी में चलने वाली जिप लाइन के बारे में सुना था। पंकज रविवार सुबह 11 बजे आगरा पहुंचे थे। वह पत्नी और दोनों बेटे के साथ बस से आए थे। सबसे पहले जीवनी मंडी स्थित खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद माल में पिक्चर देखने गए थे। पंकज की पत्नी रिंकी की बहन बल्केश्वर में रहती हैं। वह घूमने के बाद बहन के घर जाने वाले थे। रात में खाना खाने के बाद ही घर लौटते। शाम करीब 4 बजे चौपाटी पहुंचे और करीब 6 बजे हादसा हो गया। घटना की जानकारी पर बाद में रिश्तेदार भी पहुंच गए। उन्होंने पंकज और रिंकी को संभाला। फिरोजाबाद से भी परिजन पहुंच गए।

होश में आने पर पिता भी कुनाल के सीने से लिपटकर रोये जा रहे थे। कह रहे थे कि बेटे की जिद पर ही यहां आए थे। पता नहीं था कि यह दिन उसके लिए आखिरी बन जाएगा। उनका सब कुछ छिन गया। स्टंटमैन बनना चाहता था। उसने जिद नहीं की होती तो यहां कभी नहीं आते। माता-पिता को लोगों ने किसी तरह संभाला।

हादसे की टाइम लाइन...कब क्या हुआ

- शाम तकरीबन 4 बजे : चूड़ी व्यापारी परिवार सहित ताजगंज स्थित चौपाटी पहुंचे।
- शाम 5 बजे : जिप लाइन के लिए टिकट लेते हैं। अपनी बारी के लिए खड़े हो जाते हैं।
- शाम 6 बजे : जिप लाइन में जाने के कुछ देर बाद ही कुनाल नीचे गिर जाता है। माता-पिता चीखने लगते हैं।
- 6:15 बजे : थाना ताजगंज की फोर्स घटनास्थल पर पहुंची।
- 6:30 बजे : पुलिसकर्मियों ने हादसे की जानकारी अधिकारियों को दी।
- 7:00 बजे : एंबुलेंस पहुंच जाती है। कुनाल को एसएन मेडिकल कॉलेज के लिए ले जाते हैं।
- 7:30 बजे : कुनाल को मृत घोषित कर दिया गया।
- 9:00 बजे : पुलिस आयुक्त दीपक कुमार और डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास पहुंचे।
- 9:30 बजे : पुलिस आयुक्त कार्रवाई के लिए दिशानिर्देश देने के बाद चले गए।
- 10:00 बजे : मृतक बच्चे के माता-पिता थाना ताजगंज की बसई चौकी पहुंचे। रिश्तेदार भी आ गए।
- 11:00 बजे : पुलिस ने तहरीर लेने की प्रक्रिया शुरू करा दी। रात में ही पोस्टमॉर्टम की तैयारी की गई।

हादसे ने खोली सिस्टम की पोल, एक घंटे बाद पहुंची एंबुलेंस

चौपाटी में जिप लाइन से गिरकर कुनाल अग्रवाल की हुई मौत ने सिस्टम की पोल खोलकर रख दी। गिरकर घायल हुए बेटे को अस्पताल ले जाने की गुहार पिता लगाते रहे। पुलिस भी पहुंच गई थी लेकिन पुलिसकर्मी उसे अस्पताल नहीं ले जा सके। एंबुलेंस का इंतजार करते रहे। एक घंटे बाद एंबुलेंस आई। तब उसे एसएन मेडिकल कॉलेज इमरजेंसी पहुंचाया गया, जहां देखते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी मनोज ने बताया कि वह भी चौपाटी घूमने आए थे। जिप लाइन में जाने वालों को नीचे से देख रहे थे। उन्होंने देखा कि किशोर शुरुआती पॉइंट से जिप लाइन पर सवार हुआ। 10 फीट आगे चलते ही धीरे-धीरे हुक टूटने लगा। किशोर संभलने की कोशिश करता है लेकिन कुछ नहीं हो पाता। वह 45 फीट की ऊंचाई से गिर जाता है। चीखते हुए उसके माता-पिता भी दौड़ पड़े। भीड़ जुट गई। पिता ने बेटे को अस्पताल ले जाने की गुहार लगाई लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं बढ़ा। 15 मिनट बाद 4-5 पुलिसकर्मी पहुंचे। पिता ने पुलिसकर्मियों से कहा तो उन्होंने वाहन न होने का हवाला दिया। उधर, चौपाटी में भी फर्स्ट एड की कोई व्यवस्था नहीं थी। इस वजह से प्राथमिक उपचार भी नहीं किया गया।

ताजमहल के पास रहती है एंबुलेंस

ताजमहल में पर्यटकों की संख्या को देखते हुए एंबुलेंस भी रहती है। पर्यटकों की तबीयत बिगड़ने पर इस एंबुलेंस से ही अस्पताल पहुंचाया जाता है। मगर चौपाटी हादसे के बाद एंबुलेंस के लिए एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा।

श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज कलान में 25 -26 मई को आयोजित है प्रशिक्षण

सुलतानपुर। भाजपा का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज, कलान में आयोजित होगा। भाजपा के जिला मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत भाजपा ने 15 मार्च से पांच अप्रैल तक जिले के 26 मंडलों में 21 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया था। इसी क्रम में जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर अखंडनगर के कलान में 25 और 26 मई को आयोजित हो रहा है। जिसमें 11 सत्रों में 11 प्रमुख वक्ता शामिल होंगे। आवासीय प्रशिक्षण में जिलाध्यक्ष ,जिला पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी सदस्य, राष्ट्रीय, प्रदेश व क्षेत्रीय पदाधिकारी, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व जिलाध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष व सदस्य, नगर पंचायत व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख,भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी समेत 200 लोग हिस्सा लेंगे।

गर्मियों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 फेस मिस्ट, जानिए बनाने का तरीका

गर्मी के कारण त्वचा पर काफी असर पड़ता है। ऐसे में त्वचा को ठंडक देने के लिए आप बाजार से फेस मिस्ट खरीद सकते हैं, लेकिन उनमें मौजूद अप्राकृतिक रंग और खुशबू त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फेस मिस्ट बनाने का तरीका बताते हैं, जिन्हें आप घर पर कुछ ही मिनटों में बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं और उनसे आपकी त्वचा को ठंडक और नमी मिलेगी।

खीरे का फेस मिस्ट

खीरे का फेस मिस्ट बनाने के लिए सबसे पहले एक मिक्सर में खीरे को अच्छे से पीसें, फिर इस मिश्रण को एक स्प्रे बोतल में डालकर फ्रिज में रख दें। जब भी आपको लगे कि गर्मी से आपकी त्वचा काफी बेजान हो गई है, तो उस पर खीरे के फेस मिस्ट का छिड़काव करें। यह फेस मिस्ट त्वचा को पोषण देने के साथ उसे ठंडक भी देगा। खीरे के इस फेस मिस्ट से आपकी त्वचा को ताजगी मिलेगी।

गुलाब जल और नींबू का फेस मिस्ट

गुलाब जल और नींबू का फेस मिस्ट न केवल त्वचा को ताजगी देता है, बल्कि इसे नमी भी देता है। इसे बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे गुलाब जल के साथ नींबू का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अच्छे से हिलाएं और अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट त्वचा को ठंडक देने के साथ इसे ताजगी भरा भी महसूस कराएगा। गुलाब जल और नींबू का यह मिस्ट आपकी त्वचा को तरोताजा बनाए रखेगा।

एलोवेरा और खीरे का फेस मिस्ट

एलोवेरा और खीरे का फेस मिस्ट आपकी त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे नमी भी देता है। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे एलोवेरा जेल के साथ खीरे का रस मिलाएं, फिर इस मिश्रण को अच्छे से हिलाएं और अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट त्वचा को पोषण देने के साथ इसे ताजगी भरा भी महसूस कराएगा। एलोवेरा और खीरे का यह मिस्ट आपकी त्वचा को नमी देगा।

पुदीना और नारियल पानी का फेस मिस्ट

पुदीना और नारियल पानी का फेस मिस्ट गर्मियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है क्योंकि इसमें मौजूद पुदीने की ताजगी और नारियल पानी की ठंडक आपकी त्वचा को तरोताजा रखती है। इसे बनाने के लिए एक स्प्रे बोतल में ताजे पुदीने के पत्ते डालें, फिर उसमें नारियल पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर छिड़कें। यह फेस मिस्ट आपकी त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे नमी भी देगा।

गुड़हल फूल का फेस मिस्ट

गुड़हल फूल का फेस मिस्ट आपकी त्वचा को निखारने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले गुड़हल फूल की पंखुड़ियों को पानी में उबालें, फिर इस मिश्रण को छानकर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इसे एक स्प्रे बोतल में भर लें। अब इसे अपने चेहरे पर छिड़कें। इन फेस मिस्ट के इस्तेमाल से आप गर्मियों में तरोताजा महसूस करेंगे और आपकी त्वचा भी खिली-खिली रहेगी।

खाने को धीरे-धीरे क्यों खाना चाहिए? जानिए इसका महत्व

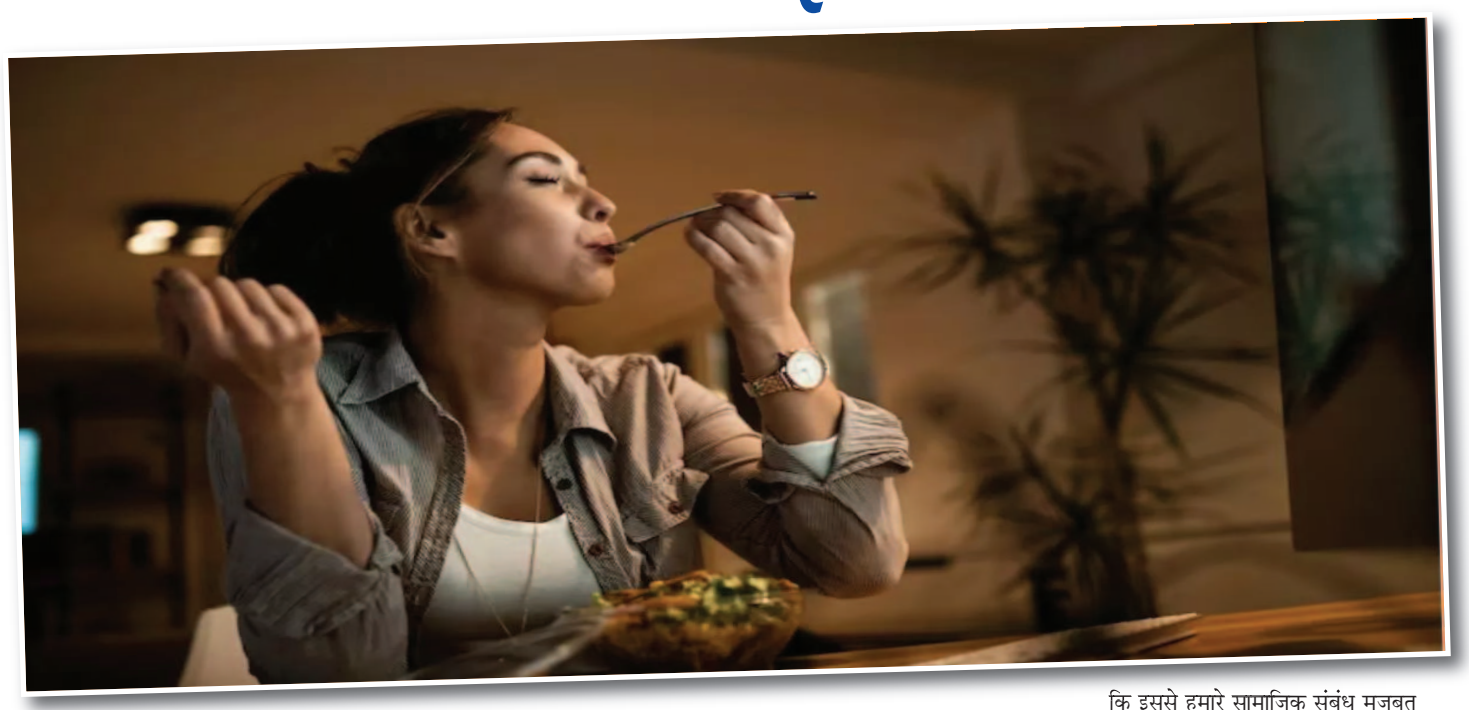

खाना खाने का तरीका सिर्फ स्वाद और खुशबू तक सीमित नहीं है। यह हमारे सेहत और मानसिक संतुलन पर भी बहुत बड़ा असर डालता है। आजकल की तेज जीवनशैली में हम अक्सर जल्दी में खाना खाते हैं, जिससे पाचन तंत्र पर काफी बुरा असर पड़ता है। इस लेख में हम जानेंगे कि सभी को खाने को धीरे-धीरे क्यों खाना चाहिए और इससे हमें क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

पाचन के लिए है फायदेमंद

धीरे-धीरे खाने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे पाचन तंत्र पर अच्छा असर पड़ता है। जब हम धीरे-धीरे खाते हैं, तो हमारे मुंह में लार सही तरीके से बनती है और भोजन का सही पाचन होता है। इससे खाना आसानी से पचता है और पेट में गैस या जलन जैसी समस्याएं कम होती हैं। इसके अलावा यह तरीका खाने के पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से शरीर में मिलने में भी मदद करता है।

मानसिक संतुलन बनाए रखने में है मददगार

धीरे-धीरे खाना खाने से हमारा मानसिक संतुलन भी बेहतर होता है। जब हम आराम से बैठकर खाना खाते हैं, तो हमारा दिमाग शांत रहता है और तनाव कम होता है। यह तरीका हमें अपने भोजन पर ध्यान केंद्रित करने और उसके स्वाद को पूरी तरह से महसूस करने का मौका देता है। इससे हमारा मन भी खुश रहता है और हम खाने का पूरा मजा ले पाते हैं।

भूख का सही अंदाजा लगाना है संभव

अक्सर लोग जल्दी में खाना खत्म करने की होड़ में रहते हैं, जिससे वे अपनी असली भूख का अंदाजा नहीं लगा पाते। धीरे-धीरे खाने से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि कब हमारा पेट भर गया है। इससे हम ज्यादा खाने से बच सकते हैं और हमारे शरीर का वजन संतुलित रहता है। यह तरीका न केवल सेहत के लिए अच्छा है, बल्कि हमें खाने का पूरा आनंद लेने का भी मौका देता है।

सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं

धीरे-धीरे खाना खाने का एक और अहम पहलू यह है कि इससे हमारे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। जब हम परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर आराम से खाना खाते हैं, तो बातचीत करने का समय मिलता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और आपस में समझ-बूझ बढ़ती है। यह तरीका न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि हमें एक-दूसरे के करीब लाने में भी मदद करता है।

सेहतमंद आदतें विकसित होती हैं

धीरे-धीरे खाने की आदत अपनाने से अन्य सेहतमंद आदतें भी विकसित होती हैं, जैसे कि नियमित व्यायाम करना, पर्याप्त पानी पीना, और संतुलित आहार लेना। जब हम अपने खाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम अन्य सेहतमंद आदतें भी अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। इस प्रकार, खाने को धीरे-धीरे खाने की आदत न केवल हमारे पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद होती है, बल्कि यह हमारे मानसिक संतुलन और सामाजिक संबंधों को भी मजबूत करती है।

वजन होगा कंट्रोल, डाइजेशन भी दुरुस्त, रसोई में रखे मसालों से बना ये 1 चम्मच चूर्ण खाएं

डाइजेशन अगर सही न रहे तो ये शरीर में की हेल्थ प्रॉब्लम की वजह बन सकता है। खराब पाचन से आपका मेटाबॉलिज्म भी स्लो हो जाता है, जिससे वजन बढ़ सकता है। इस आर्टिकल में हम देसी मसालों से बने एक पाउडर को बनाने और इसे खाने का तरीका जानेंगे जो डाइजेशन इंप्रूव करने के साथ ही वेट कंट्रोल में भी हेल्पफुल रहेगा।

डाइजेशन अगर सही हो तो इससे आप जो भी खाते हैं उसका पूरा पोषण शरीर को अच्छी तरह से मिल पाता है। खाना अगर सही से पचे तो आप पेट दर्द, ब्लोटिंग, हार्टबर्न जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं। जब न्यूट्रिएंट्स सही तरह से हमारे शरीर में ऑब्जर्व होते हैं तो इससे आपकी बॉडी के फंक्शन सही तरह से चल पाते हैं। जिन लोगों का पाचन सही न रहता हो उन्हें कई हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं जैसे इम्यूनिटी वीक होने की वजह से बीमार हो जाना। भारतीय घरों में हमेशा से ही छोटी-छोटी सेहत से जुड़ी दिक्कतों के लिए दवा की बजाय देसी चीजों पर ध्यान दिया जाता है। ऐसा ही एक देसी चूर्ण है जो आप घर के मसालों से बनाकर तैयार कर सकते हैं। ये आपके डाइजेशन को अच्छा करेगा और साथ ही वजन कम करने में भी सहायक है।

हमारे घर की रसोई में ही कई ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में हमें सही जानकारी नहीं होती है। ये इनग्रेडिएंट्स औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं और हमारी कई छोटी हेल्थ प्रॉब्लम में राहत दिलाने का काम करते हैं। फिलहाल जान लेते हैं इस पाउडर की रेसिपी और इसे खाने का तरीका।

एक्सपर्ट ने शेयर किया ये चूर्ण

सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता शाह ने इस चूर्ण या पाउडर की रेसिपी बताई है साथ ही उन्होंने इसे खाने का तरीका भी शेयर किया है। उन्होंने इस चूर्ण को अलग-अलग तरीकों से सेवन करने के बारे में भी बताया है और फायदे भी शेयर किए हैं।

क्या चाहिए इनग्रेडिएंट्स?

2 छोटी चम्मच सौंफ, 2 छोटी चम्मच मेथी दाना, 1 छोटी चम्मच इलायची पाउडर, 1 छोटी चम्मच काला नमक।

कैसे बनाएं पाउडर?

सौंफ और मेथी दाना को पीस लें। इसके बाद इसमें हरी इलायची का पाउडर और काला नमक मिलाएं। इसे आप एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके रख लें।

खाने का तरीका

आपके अगर वजन कम करना है या फिर अक्सर खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्टबर्न की समस्या हो जाती है तो आप खाना खाने से पहले इस चूर्ण को आधा चम्मच खा सकते हैं।

दूसरा तरीका है कि अगर आपको खाना खाने के बाद ब्लोटिंग (पेट में भारीपन), गैस का दर्द और खाने के बाद भी भूख लगने की समस्या रहती है तो आप खाना खाने के बाद ये पाउडर आधा चम्मच ले सकते हैं।

फायदे क्या होंगे?

ये चूर्ण रोजाना लेने से आपको ब्लोटिंग की समस्या से राहत मिलती है। इससे आपकी गट मूवमेंट बेहतर होगी, जिससे खाना सही से पचता है और एसिड रिफलक्स की समस्या भी कम होती है। ये आपकी भूख को भी बेहतर तरीके से कंट्रोल करने में हेल्पफुल है यानी ये अनहेल्दी क्रेविंग्स को कम करने में मदद करेगा। इससे आप वेट भी मैनेज कर पाएंगे।

पर्याप्त पानी पीने के बावजूद शरीर हो सकता है डिहाइड्रेट, जानें इसके 5 संकेत

डिहाइड्रेशन तब होता है जब शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है। यह आमतौर पर गर्म मौसम, शारीरिक मेहनत या अधिक शराब पीने से होता है। कई लोग यह सोचते हैं कि पर्याप्त पानी पीने से वे डिहाइड्रेशन से बच सकते हैं, लेकिन यह हमेशा सही नहीं होता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आप पर्याप्त पानी पीने के बाद भी डिहाइड्रेशन का शिकार हो गए हैं।

मुंह का सूखापन या थकान होना

अगर आपको अक्सर मुंह का सूखापन या थकान महसूस होती है तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है, भले ही आप पर्याप्त पानी पी रहे हों। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप इलेक्ट्रोलाइट्स वाले पेय का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं। इसके अलावा फल और सब्जियों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

पेशाब का रंग गहरा होना

पेशाब का रंग गहरा होना भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। अगर आपका पेशाब हल्का पीला या सफेद नहीं है तो इसका मतलब है कि आपका शरीर पर्याप्त पानी नहीं ले रहा है। इस स्थिति में आपको तुरंत अधिक पानी पीना चाहिए, ताकि आपका शरीर पानी से भरपूर रह सके। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखने में मदद करेगा।

सिरदर्द होना

अगर आपको बिना किसी कारण के सिरदर्द होता है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके दिमाग को ठंडक देगा और दर्द को कम करेगा। इसके अलावा आप ठंडे पेय पदार्थों का सेवन भी कर सकते हैं, जो आपको पानी से भरपूर रखेंगे और सिरदर्द को दूर करेंगे।

थकान महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को ताजगी देगा और थकान को कम करेगा। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखेगा।

त्वचा का रूखा होना

अगर आपकी त्वचा सूखी और बेजान लग रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। इसके लिए आप नियमित रूप से पानी पिएं, ताकि आपकी त्वचा में नमी बनी रहे और वह स्वस्थ दिखे। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपकी त्वचा को पानी से भरपूर रखेगा और उसे ताजगी देगा। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं।

अब लोन रिकवरी एजेंट्स नहीं कर सकेंगे बदतमीजी, ग्राहकों को धमकी देने पर बना सख्त नियम

बैंकों और हक्वस्नष्ट से लोन लेने वाले करोड़ों ग्राहकों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। लोन रिकवरी के नाम पर ग्राहकों को धमकाने, गाली-गलौज करने, मानसिक रूप से प्रताड़ति करने और मारपीट जैसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सख्त नियमों का नया ड्राफ्ट जारी किया है। नए प्रस्तावित नियमों के तहत रिकवरी एजेंटों की मनमानी पर रोक लगेगी और ग्राहकों के अधिकारों को अधिक सुरक्षा मिलेगी।

धमकी और बदसलूकी पर सख्त रोक

आरबीआई ने साफ किया है कि लोन रिकवरी के दौरान किसी भी ग्राहक, उसके गारंटर, रिश्तेदार या दोस्तों को डराना-धमकाना पूरी तरह गैरकानूनी माना जाएगा। गुमनाम नंबरों से बार-बार फोन करना, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करना, सोशल मीडिया पर वीडियो या रिकॉर्डिंग डालकर बदनाम करना और मानसिक दबाव बनाना हार्श प्रैक्टिस की श्रेणी में आएगा। ऐसे मामलों में संबंधित बैंक और एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी।

रिकवरी एजेंटों का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

अब कोई भी बैंक बिना जांच-पड़ताल के किसी को रिकवरी एजेंट नियुक्त नहीं कर सकेगा। क्रक्चड्ढ के ड्राफ्ट के अनुसार सभी एजेंटों का पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी होगा। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को रिकवरी प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, ताकि ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाओं को रोका जा सके।

एजेंटों को दिखाना होगा आईडी और ऑथराइजेशन

नए नियमों के मुताबिक हर रिकवरी एजेंट के पास आरबीआई का वैध सर्टिफिकेट होना जरूरी होगा। इसके अलावा एजेंट जब भी किसी ग्राहक के घर जाएगा, उसे अपना एजेंसी आईडी कार्ड, बैंक का अधिकृत पत्र और संबंधित नोटिस की कॉपी दिखानी होगी। साथ ही ग्राहकों को कम से कम एक दिन पहले सूचना देना भी अनिवार्य रहेगा।

शादी या शोक के समय नहीं होगी वसूली

आरबीआई ने ग्राहकों की निजी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए रिकवरी कॉल और मुलाकात के समय भी तय कर दिए हैं। अब एजेंट सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। इसके अलावा शादी-विवाह, धार्मिक कार्यक्रम या शोक जैसी परिस्थितियों में ग्राहकों को परेशान करने पर भी रोक रहेगी।

बैंक नहीं झाड़ सकेंगे जिम्मेदारी

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई रिकवरी एजेंट ग्राहकों के साथ बदसलूकी करता है तो बैंक यह कहकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकेंगे कि एजेंट थर्ड पार्टी है। एजेंट की हर कार्रवाई के लिए संबंधित बैंक सीधे तौर पर जिम्मेदार होगा। साथ ही बैंकों को अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर सभी अधिकृत रिकवरी एजेंसियों की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी।

कब से लागू होंगे नए नियम?

आरबीआई द्वारा जारी यह ड्राफ्ट फिलहाल सुझाव और प्रतिक्रिया के चरण में है। माना जा रहा है कि इन नियमों को 1 अक्टूबर 2026 से लागू किया जा सकता है। नए नियम लागू होने के बाद ग्राहकों को मानसिक प्रताड़ना और धमकी से काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

नो डाउन पेमेंट, नो इंश्योरेंस का झंझट! इसुजु लाया धांसू स्कीम, सिर्फ इतने रुपये के मंथली रेंट पर घर ले आएं दमदार पिकअप

भारतीय कमर्शियल व्हीकल मार्केट में ग्राहकों को लुभाने के लिए इसुजु मोटर्स इंडिया ने एक बेहद अनोखा और बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने अपने बेहद लोकप्रिय पिकअप ट्रक 'इसुजु डी-मैक्स एस-कैब' के लिए एक शानदार लीजिंग (किराए पर लेने) का विकल्प पेश किया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अब इस दमदार पिकअप ट्रक को मालिक बनने के लिए आपको भारी-भरकम रकम खर्च कर इसे खरीदना नहीं पड़ेगा, बल्कि आप अपनी जरूरत के हिसाब से इसे मंथली रेंट (मासिक किराए) पर घर या अपने बिजनेस के लिए ला सकते हैं।

बिना डाउन पेमेंट के 38,999 के किराए पर मिलेगी गाड़ी

कंपनी ने इस लीजिंग प्रोग्राम को बेहद आकर्षक शर्तों के साथ बाजार में उतारा है। इस नए प्रोग्राम के तहत ग्राहक द्बद्व5द्व ष्ठ-रूड्ड& स्-ष्ट्रक्च को महज 38,999 रुपये के शुरुआती मंथली रेंट पर अपने साथ ले जा सकते हैं। इस लीजिंग योजना की अवधि कुल चार साल (48 महीने) के लिए तय की गई है। इस स्कीम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि गाड़ी घर ले जाने के लिए ग्राहकों को कोई भी डाउन पेमेंट (शुरुआती बड़ी रकम) नहीं देनी होगी, जिससे छोटे व्यापारियों और स्टार्टअप्स पर अचानक कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

इंश्योरेंस, रजिस्ट्रेशन और सर्विसिंग का पूरा खर्च भी कंपनी उठाएगी

आमतौर पर कोई भी नई गाड़ी खरीदने के बाद ग्राहकों को उसके इंश्योरेंस, सालाना रजिस्ट्रेशन और समय-समय पर होने वाली मेंटेनेंस व सर्विसिंग की बड़ी चिंता सताती है। लेकिन इसुजु के इस लीजिंग मॉडल में यूजर को इन सब चीजों की रत्ती भर भी फिक्र करने की जरूरत नहीं है। यह सारा खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। कंपनी का दावा है कि इस नए और आसान विकल्प का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक, गाड़ी खरीदने के पारंपरिक कार फाइनेंसिंग (लोन) के तरीकों के मुकाबले चार साल में करीब 1.81 लाख रुपये तक की सीधी बचत कर सकते हैं।

बिजनेसेस और फ्लीट ऑपरेटर्स पर है कंपनी का सीधा फोकस

इसुजु इंडिया के मुताबिक, इस सर्विस को लाने का मुख्य उद्देश्य ओनरशिप को एक स्ट्रक्चर्ड रेंटल मॉडल के जरिए बेहद सिंपल और सुलभ बनाना है। इस लीजिंग सुविधा के जरिए कंपनी का मुख्य फोकस उन छोटे-बड़े बिजनेसेस, लॉजिस्टिक्स कंपनियों और फ्लीट ऑपरेटर्स को अपनी ओर आकर्षित करना है, जो भारी पूंजी निवेश किए बिना अपने काम के लिए एक किफायती, भरोसेमंद और आधुनिक पिकअप ट्रक की तलाश में हैं।

सेबी ने आईपीओ और री-लिस्टिंग के प्राइस डिस्कवरी सिस्टम में बड़े बदलाव का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) ने गुरुवार को जारी एक परामर्श पत्र में आईपीओ लिस्टिंग और री-लिस्टिंग के दौरान शेयरों की कीमत तय करने की प्रक्रिया में बड़े बदलावों का प्रस्ताव रखा है।

बाजार नियामक ने कहा कि मौजूदा प्राइस डिस्कवरी सिस्टम कृत्रिम रूप से शेयर कीमतों को दबा रहा है, जिसके चलते ट्रेडिंग शुरू होने के बाद लगातार अपर सर्किट लग रहे हैं।

सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि जब निवेशकों की मजबूत मांग दिखाई दे, तब प्राइस बैंड को अपने आप और तेजी से बढ़ाया जाए, ताकि एक्सचेंजों को बार-बार मैन्युअल हस्तक्षेप न करना पड़े।

बयान में कहा गया, डमी प्राइस बैंड को बढ़ाने का सिस्टम सभी एक्सचेंजों में एक जैसा होना चाहिए और जरूरत पड़ने पर प्राइस बैंड तुरंत बढ़ाया जाना चाहिए।

सेबी ने कहा कि एक्सचेंजों को पहले से तय नियमों और अन्य एक्सचेंजों से सलाह के आधार पर 10 प्रतिशत के गुणकों में डमी प्राइस बैंड को अपने आप बढ़ाना चाहिए।

नियामक ने यह भी कहा कि यह व्यवस्था सुबह 9:35 बजे से 9:45 बजे तक के रैंडम क्लोजर पीरियड के दौरान भी लागू रहनी चाहिए।

सेबी के मुताबिक, मौजूदा नियमों के कारण प्री-ओपन ऑक्शन सत्र में बड़ी संख्या में वास्तविक खरीद ऑर्डर रिजेक्ट हो रहे हैं, जिससे बाजार सही ओपनिंग प्राइस तय नहीं कर पा रहा है। सेबी ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि एक री-लिस्टेड शेयर में करीब 90 प्रतिशत खरीद ऑर्डर रिजेक्ट हो गए, क्योंकि बोली एक्सचेंज द्वारा तय सीमा से बाहर थी।

सेबी ने री-लिस्टेड कंपनियों के शुरुआती शेयर मूल्य तय करने की प्रक्रिया में भी बड़े बदलाव का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत पुराने या कृत्रिम रूप से कम रेफरेंस प्राइस की बजाय हालिया बाजार कीमतों या स्वतंत्र वैल्यूएशन रिपोर्ट का इस्तेमाल किया जाएगा।

सेबी ने कहा, कॉल ऑक्शन सत्र को तभी सफल माना जाएगा, जब प्राइस डिस्कवरी कम से कम 5 अलग-अलग पैन आधारित खरीदारों और विक्रेताओं के ऑर्डर पर आधारित हो।

फिलहाल एसएमई आईपीओ के कॉल ऑक्शन सत्र में कोई प्राइस बैंड नहीं होता, लेकिन एसएमई शेयरों में ज्यादा उतार-चढ़ाव को देखते हुए स्टॉक एक्सचेंजों ने 90 प्रतिशत से अधिक का प्राइस बैंड तय कर रखा है, जिसमें कोई फ्लेक्सिंग मानदंड नहीं है।

मैं बेहतरीन डील करूंगा... ईरान के साथ समझौते पर बोले ट्रंप, ओबामा पर साधा निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ न्यूक्लियर डील को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि अगर हम ईरान के साथ कोई समझौता करते हैं तो वह अच्छा और सही समझौता होगा। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर भी निशाना साधा। ओबामा के दौर में हुए न्यूक्लियर डील पर ट्रंप ने कहा कि उस डील ने ईरान को नकदी दी और परमाणु हथियार तक पहुंचने का रास्ता दिया। ट्रंप ने कहा कि उनकी हमारी डील अमेरिका के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जाएगी। ट्रंप ने कहा कि ओबामा ने ईरान के साथ जो समझौता किया, उसने अमेरिका को नुकसान पहुंचाया। उस डील से ईरान को आर्थिक फायदा मिला और उसने अपनी परमाणु गतिविधियों को आगे बढ़ाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी सरकार ऐसी गलती नहीं दोहराएगी। उन्होंने साफ कहा कि उनकी प्राथमिकता अमेरिका की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता होगी। ट्रंप ने अपने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग इस संभावित डील की आलोचना कर रहे हैं, उन्हें अभी पूरी जानकारी नहीं है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी साफ-साफ कहा कि ईरान के साथ डील अभी पूरी तरह तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि फिलहाल बातचीत जारी है। इसके बावजूद कुछ लोग लगातार आलोचना कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि हमारी सरकार जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करेगी। हर कदम सोच-समझकर उठाया जाएगा।

ईरान के साथ समझौते में जल्दबाजी न करें : ट्रंप

ट्रंप ने कहा कि वाशिंगटन और तेहरान ने लगभग तीन महीने से जारी युद्ध को खत्म करने के लिए एक शांति समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी कर ली है। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत व्यवस्थित एवं रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है, लेकिन उन्होंने वार्ताकारों को समझौते की दिशा में जल्दबाजी नहीं करने का निर्देश दिया है, क्योंकि समय हमारे (अमेरिका) पक्ष में है। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की अमेरिकी नाकाबंदी तब तक पूरी तरह से जारी रहेगी, जब तक कि किसी समझौते पर सहमति नहीं बन जाती और उस पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते।

राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध

ट्रंप ने कहा कि दोनों पक्षों को उचित समय लेना चाहिए और इसे (समझौता) सही तरीके से करना चाहिए। कोई गलती नहीं होनी चाहिए। उन्होंने ईरान को अब्राहम समझौते में शामिल होने के लिए आमंत्रित भी किया, जो इजराइल और अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक एवं सुरक्षा संबंध स्थापित करने से संबंधित है।

बातचीत काफी हद तक पूरी

ट्रंप की ये टिप्पणियां सोशल मीडिया पर की गई उस घोषणा के एक दिन बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी हो चुकी है और अंतिम पहलुओं एवं विवरणों पर चर्चा की जा रही है, जिसके बाद जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र, जॉर्डन, बहरीन और इजराइल के नेताओं से बात की है।

ट्रंप ने रविवार को कहा कि ईरान के साथ हमारे संबंध कहीं अधिक पेशेवर और फलदायी होते जा रहे हैं। हालांकि, उन्हें समझना होगा कि वे परमाणु हथियार या बम न तो विकसित कर सकते हैं और न ही खरीद सकते हैं। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से 2015 में ईरान के साथ किए गए परमाणु समझौते की भी आलोचना की।

पाकिस्तान में चीनी मजदूरों को मिलेगी कमांडो सुरक्षा, हर वक्त साथ रहेंगे बंदूकधारी जवान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने चीनी इंजीनियरों और मजदूरों की सुरक्षा के लिए एक नई कमांडो फोर्स बनाने का फैसला किया है। इसका नाम वापडा सिक्योरिटी फोर्स होगा। इसका काम देश के बड़े बांध, बिजली और पानी से जुड़े प्रोजेक्ट्स की सुरक्षा करना होगा, जहां चीनी नागरिक काम कर रहे हैं। पाकिस्तान सरकार ने इसके लिए वापडा सिक्योरिटी फोर्स एक्ट 2026 तैयार किया है, जिसे संसद में पेश किया जाएगा।

यह फैसला पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हुए आतंकी हमलों के बाद लिया गया। नवंबर 2021 और मार्च 2024 में दासू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर दो बड़े हमले हुए थे। इन हमलों में कई चीनी और पाकिस्तानी इंजीनियर और मजदूर मारे गए थे। यह प्रोजेक्ट 6 अरब डॉलर से ज्यादा का है। एक अधिकारी ने बताया कि पहले चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) से जुड़े प्रोजेक्ट्स को पाकिस्तान सेना की खास सुरक्षा मिलती थी। सेना की दो स्पेशल सिक्योरिटी डिवीजन बलूचिस्तान से लेकर गिलगित-बाल्टिस्तान तक सुरक्षा संभालते थे। लेकिन वापडा के कई प्रोजेक्ट्स इस सुरक्षा व्यवस्था में शामिल नहीं थे। इसलिए अलग फोर्स बनाने की जरूरत पड़ी। दासू प्रोजेक्ट पर हमले के बाद चीन ने एक साल से ज्यादा समय तक वहां काम रोक दिया था। बाद में पाकिस्तान सरकार ने बातचीत की, मुआवजा दिया और फिर काम दोबारा शुरू हुआ। हालांकि इससे प्रोजेक्ट की लागत बढ़ गई और काफी देरी भी हुई। इसके बाद पाकिस्तान ने चीन से जुड़े दूसरे प्रोजेक्ट्स को भी सेना जैसी सुरक्षा देना शुरू किया।

पर्यटन बढ़ाने के लिए नेपाल का बड़ा दांव, पूर्व वित्त मंत्री ने की सोने के गहनों पर टैक्स हटाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने रविवार को प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार से भारतीय नागरिकों को सोने के आभूषण पर टैक्स से छूट देने का आग्रह किया और हिमालयी देश के वेडिंग डेस्टिनेशन बनने की क्षमता पर जोर दिया। काठमांडू में एक कार्यक्रम में सुरेंद्र पांडे ने कहा कि सरकार को न्यूनतम हस्तक्षेप करना चाहिए और बाजार को स्वतंत्र रूप से काम करने देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कड़े नियम और कानून नेपाल की अर्थव्यवस्था को फलने-फूलने में मदद नहीं करेंगे।

सुरेंद्र पांडे ने नेपाल को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की क्षमता पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए देश में आने वाले भारतीय आगंतुकों के लिए सोने के आभूषणों पर कर से छूट देने की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को निर्बाध बनाने का भी आग्रह किया।

सुरेंद्र पांडे ने क्या सुझाव दिया?

काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व वित्त मंत्री सुरेंद्र पांडे ने कहा कि नेपाल सरकार को बाजार को ज्यादा आजादी देनी चाहिए और जरूरत से ज्यादा नियम कानून लगाने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहुत ज्यादा सख्त नियमों से अर्थव्यवस्था कमजोर हो सकती है। सुरेंद्र पांडे ने भारतीय नागरिकों का जिक्र करते हुए कहा कि नेपाल को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने की बड़ी संभावना है। हालांकि इसके लिए भारतीयों द्वारा पहने जाने वाले सोने के गहनों पर टैक्स में छूट देना होगा।

नेपाल में सोने के गहनों पर नियम

जानकारी के मुताबिक फिलहाल नेपाल में हवाई मार्ग से आने वाले विदेशी यात्रियों को 50 ग्राम तक सोने के गहने और 100 ग्राम तक चांदी के गहने बिना कस्टम ड्यूटी के लाने की अनुमति है। हालांकि यह शर्त होती है कि यात्रा पूरी होने के बाद उन्हें वापस ले जाया जाए। भारतीय दूतावास के मुताबिक यह छूट सिर्फ निजी इस्तेमाल के लिए लागू होती है। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता सुरेंद्र पांडे ने सरकार को भारत और चीन से आने वाले पर्यटकों के लिए बड़े पर्यटन पैकेज तैयार करने की भी सलाह दी है। उन्होंने कहा कि नेपाल को दोनों देशों के करोड़ों लोगों को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बनानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय वाहनों के नेपाल में प्रवेश को आसान बनाने की भी मांग की।

भारत की मेजबानी में क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक, दिल्ली पहुंचेंगी ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग

मुंबई, एजेंसी। भारत की अध्यक्षता में मंगलवार को होने वाली क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग आज भारत दौरे पर आ रही हैं। इस दौरान क्वाड देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स), बुनियादी ढांचा विकास और आपदा राहत जैसे साझा हितों के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

भारत इस समय क्वाड समूह की अध्यक्षता कर रहा है और इसी क्षमता में वह इस अहम बैठक की मेजबानी कर रहा है। क्वाड में भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। यह समूह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण रणनीतिक मंच के रूप में उभरा है।

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में पेनी वोंग ने कहा कि इन अनिश्चित समयों में क्वाड एक बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी है। चार देश मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध भविष्य को आकार देने का काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल सप्लाई, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और डिजास्टर रिलीफ जैसे साझा हितों के क्षेत्रों में ठोस परिणाम दे रहे हैं। भारत दौरे के दौरान पेनी वोंग विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ 17वें ऑस्ट्रेलिया-भारत विदेश मंत्रियों के फ्रेमवर्क डायलॉग में भी हिस्सा लेंगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी पहले से अधिक महत्वपूर्ण

वोंग ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि व्यापक रणनीतिक साझेदार के रूप में दोनों देश व्यापार और निवेश, रक्षा और समुद्री सुरक्षा, जलवायु एवं ऊर्जा परिवर्तन, रणनीतिक प्रौद्योगिकी, शिक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग को लगातार गहरा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के रिश्तों के केंद्र में मजबूत सामाजिक संबंध भी मौजूद हैं, जो इस साझेदारी को और मजबूती प्रदान करते हैं।

बैठक में भारत दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि यह बैठक इस साल भारत में प्रस्तावित क्वाड शिखर सम्मेलन के व्यापक एजेंडे को तय करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

टेरर फंडिंग पर NIA का बड़ा एक्शन, शोपियां–श्रीनगर में 3 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने सोमवार (25 मई) को जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में छापेमारी की।यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के दो स्थानों और श्रीनगर के एक स्थान पर की जा रही है। जिसमें दारुल उलूम सिराजुल उलूम भी शामिल है, जिसे पिछले महीने अवैध संस्था घोषित किया गया था। इसके साथ ही शोपियां में जमात-ए-इस्लामी के पूर्व प्रमुख के घर पर भी NIA ने तलाशी ली।

सूत्रों के मुताबिक, आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क, ओवरग्राउंड वर्करों (OGWs) और संदिग्ध आतंकवाद-फंडिंग गतिविधियों पर शिकंजा कसने के अभियान के तहत श्रीनगर और घाटी के दक्षिणी हिस्सों समेत कई इलाकों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (JeI) से जुड़े पूर्व प्रमुख शहज़ादा औरंगज़ेब के आवास की भी तलाशी ली गई।

शिक्षण संस्थान की ली तलाशी

अधिकारियों ने बताया कि NIA की टीमों ने शोपियां के इमाम साहिब इलाके में स्थित इस शिक्षण संस्थान में तड़के तलाशी अभियान चलाया। यह संस्थान सैकड़ों छात्रों को धार्मिक और औपचारिक दोनों प्रकार की शिक्षा प्रदान करता है। इसके साथ ही श्रीनगर के अन्य ठिकानों पर भी NIA की कार्रवाई जारी है। इस दौरान साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों से जुड़े रिहायशी परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। NIA की टीमों को जम्मू-कश्मीर पुलिस और अर्धसैनिक बलों का पूरा सहयोग मिल रहा है।

क्या है आरोप

यह छापेमारी टेरर फंडिंग और घाटी में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के संदिग्ध नेटवर्क को तोड़ने के लिए की जा रही । प्रशासन का आरोप है कि कुछ संस्थान और लोग युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और प्रतिबंधित संगठनों के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जमीन तैयार कर रहे थे। बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान कुछ अहम दस्तावेज और सामग्री जब्त की गई है, जिसकी जांच की जा रही है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने पहुंचा कॉकरोच जनता पार्टी का केस, कहा-इसे गंभीरता से न लें...

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के खिलाफ दायर याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया है। याचिका ठुकराते हुए कोर्ट ने कहा कि इसे इतना भावुकता से नहीं लेना चाहिए। ऐसी कोई गंभीर जरूरत भी नहीं है, हम इसे आगे देखेंगे। याचिकाकर्ता की ओर से वकील एनके गोस्वामी ने CJI सूर्यकांत से जल्द सुनवाई की मांग की थी।

पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया से चर्चा में आई कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ दायर याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "इसे इतनी भावुकता से लेने की जरूरत नहीं है। हम आगे इस मामले को देखेंगे।" उन्होंने आगे कहा, "अभी ऐसी कोई गंभीर आपात स्थिति नहीं है। देखते हैं कि क्या होता है।" पिछले दिनों मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद यह पार्टी सोशल मीडिया पर अस्तित्व में आई।

इससे पहले याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने आज CJI

सूर्यकांत से इस मामले की यह कहते हुए जल्द सुनवाई की मांग थी, कि पार्टी न्यायपालिका की छवि धूमिल कर रही है। इस पर CJI ने कहा कि इसे इतनी भावुकता से नहीं लें।

एक अन्य वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता फर्जी वकील डिग्रियों के मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। साथ ही यह भी कहा कि अदालत में होने वाली बातचीत का इस्तेमाल व्यावसायिक मकसद के लिए नहीं किया जा सकता है। इस पर CJI ने जवाब दिया कि अभी ऐसी कोई गंभीर आपात स्थिति नहीं है।

कॉकरोच जनता पार्टी अभियान की शुरुआत CJI जस्टिस सूर्यकांत के युवाओं और कॉकरोच को लेकर दिए गए एक बयान के बाद हुई। हालांकि बाद में जस्टिस सूर्यकांत ने अपनी टिप्पणियों पर सफाई देते हुए कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने उनकी बातों को गलत तरीके से पेश किया।

सोशल मीडिया पर भारी फॉलोअर्स

हालांकि सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी' का ऐलान होते ही इसके फॉलोअर्स की संख्या तेजी से आगे बढ़ती चली गई। इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। चंद दिनों में ही इसके फॉलोअर्स की संख्या 22.19 मिलियन तक पहुंच गई है।

वहीं X हैंडल पर भी इसके लाखों फॉलोअर्स हो गए थे। लेकिन पिछले हफ्ते गुरुवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' का हैंडल बंद हो गया। लेकिन इसके कुछ ही घंटों में 'कॉकरोच इज़ बैक' के पोस्टर के साथ नया X हैंडल शुरू कर दिया गया। इस हैंडल पर 2.126 लाख से अधिक फॉलोअर्स हो गए हैं।

कौन हैं पार्टी को बनाने वाले

व्यंग्यात्मक पार्टी, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके हैं। अभिजीत महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर के रहने वाले हैं। पुणे से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद अभिजीत ने आम आदमी पार्टी की कम्युनिकेशन टीम का हिस्सा बन गए और वहां पर वह कुछ साल तक रहे। इसके बाद वो अपने आगे की पढ़ाई करने के लिए बोस्टन यूनिवर्सिटी चले गए।

दृश्यम 3 का दुनियाभर में तांडव, धमाकेदार हुई शुरुआत, बनी वर्ल्डवाइड साल की 5वीं सबसे बड़ी मलयालम फिल्म

जीतू जोसेफ द्वारा निर्देशित मोहनलाल स्टारर फिल्म दृश्यम 3 साल की मच अवेटेड फिल्म थी। इसने 21 मई को मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दी । ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी की तीसरी इंस्टॉलमेंट के तौर पर जबरदस्त प्रमोशन के बीच रिलीज हुई इस फिल्म की धमाकेदार ओपनिंग हुई है। हालांकि इसके पहले दिन के कलेक्शन एल 2: एम्पुरान और दृश्यम 2 को पार नहीं कर सके, लेकिन इस थ्रिलर ने मोहनलाल की कई हालिया रिलीज फिल्मों के ओपनिंग डे कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। चलिए यहां जानते हैं दृश्यम 3 ने कितने करोड़ से शुरुआत की है?

'दृश्यम 3' साल की मच अवेटेड मलयालम फिल्मों में से एक थी। अजय देवगन स्टारर इस फिल्म का हिंदी रीमेक 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं मोहनलाल की दृश्यम 3 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला है, मोहनलाल के फैंस ने जहां इस सस्पेंस फिल्म की सराहना की, तो वहीं अन्य ने स्टोरीलाइन और प्लॉट की आलोचना की।

इन सबके बीच फिल्म ने घरेलू बाजार में अच्छी ओपनिंग की है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक 'दृश्यम 3' ने भारत में अपने पहले दिन 5506 शो से 15.85 करोड़ की कमाई की है। इसमें से 13.70 करोड़ मलयालम से, 0.45 करोड़ तमिल से, 1.50 करोड़ तेलुगु से और 0.20 करोड़ कन्नड़ से आए हैं। फिल्म की पहले दिन की ऑक्यूपेंसी 51.3त्न रही है, दृश्यम 3 ने विदेशों में भी शानदार परफॉर्म किया है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने अपने पहले दिन ओवरसीज में 25 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ, फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन अब 43.37 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। मोहनलाल की दृश्यम 3 रिलीज के पहले दिन ही वर्ल्डवाइड साल 2026 की 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है। इसने भरतनाट्यम 2 मोहिनीअट्टम के 40.63 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है और अब अथिरडी को टक्कर देने की तैयारी में है! पहले वीकेंड के अंत तक, यह थ्रिलर फिल्म 2026 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन जाएगी।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाला किरदार : सान्विका

वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?

इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं लुटेरी दुल्हन थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।

अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।

मां बहन का ट्रेलर जारी, अदाओं से नहीं, हत्या से धक–धक कराने आईं माधुरी

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म मां बहन का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जैसी उम्मीद की जा रही थी, फिल्म अफरा-तफरी, अप्रत्याशित मोड़ और हास्य परिस्थितियों से भरपूर होने वाली है। निर्देशन की कमान सुरेश त्रिवेनी ने संभाली है, जो विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के निर्देशक रह चुके हैं। कहानी एक मां और उसकी 2 बेटियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिसमें तड़का लगाने का काम रवि किशन ने किया है। ट्रेलर की शुरुआत रेखा (माधुरी) से होती है, जो कॉलोनी की रानी है और उसकी एक झलक का मोहल्ला दीवाना है। उसकी बड़ी बेटी जया (तृप्ति) शादीशुदा है और छोटी बेटी सुषमा (धर्णा दुर्गा) रील्स की दीवानी है। तीनों की जिंदगी में तब भूचाल आता है, जब गुप्ता (रवि) की उनके घर पर हत्या हो जाती है। बस यहीं से कहानी में उठा-पटक शुरू हो जाती है। कुल मिलाकर ट्रेलर मजेदार है। फिल्म 4 जून को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

फिल्म को तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी शानदार फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर सुरेश त्रिवेणी ने डायरेक्ट किया है। जानकारी के मुताबिक, 'मां बहन' एक ऐसी कहानी है, जिसमें एक मां और उसकी अलग रह रही बेटियां अचानक एक बड़े क्राइम में फंस जाती हैं। इसके बाद शुरू होता है झूठ, राज और अजीब घटनाओं का सिलसिला। नेटफ्लिक्स के ऑफिशियल अकाउंट पर फिल्म का टीजर रिलीज करते हुए लिखा है कि धक-धक हो रहा है? इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट 4 जून को बताया गया है।

फिल्म में माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की जोड़ी पहली बार इतनी अलग शैली में दिखाई देगी। वहीं रवि किशन भी अपने दमदार अंदाज से कहानी में नया ट्विस्ट लाने वाले हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर से एक्ट्रेस बनीं धारणा दुर्गा भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। मेकर्स का दावा है कि फिल्म में फैमिली ड्रामा, कॉमेडी, थ्रिल और इमोशनल मोमेंट्स का जबरदस्त कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा। 'मां बहन' को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति, बोलीं– वहां के लोग बेहतरीन

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे-फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे।

शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है।

अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने वहां सब कुछ बिना किसी रिसर्च प्रेशर के किया। बस इसलिए कि मुझे उस जगह से प्यार हो जाए और सच में मुझे पंजाब से प्यार हो गया। मुझे लगता है कि पंजाब के लोग दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में शामिल हैं।

निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में शरवरी एक पंजाबी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में हैं। 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com